- 19th Year
- Issue: 256
- 23.01.2026 (FRIDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक कलिंग समाचार

The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

चुनाव से पहले नरेंद्र मोदी का केरल दौरा, देंगे चार नई रेल सेवाओं की बड़ी सौगात

नयी दिल्ली २२/०१ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को चुनाव वाले केरल राज्य का दौरा करेंगे और विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, उनका उद्घाटन करेंगे और उन्हें हरी झंडी दिखाएंगे। वे चार नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे और तिरुवनंतपुरम में सीएसआईआर-एनआईआईएसटी इनोवेशन, टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप हब की आधारशिला रखेंगे। इस अवसर पर वे तिरुवनंतपुरम में एक जनसभा को संबोधित भी करेंगे। ये परियोजनाएं रेल संपर्क, शहरी आजीविका, विज्ञान और नवाचार, नागरिक-केंद्रित सेवाएं और उन्नत स्वास्थ्य सेवा सहित प्रमुख क्षेत्रों को कवर करती हैं, जो समावेशी विकास, तकनीकी उन्नति और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार पर प्रधानमंत्री के निरंतर ध्यान को दर्शाती हैं।

रेल संपर्क को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, प्रधानमंत्री चार नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे, जिनमें तीन अमृत भारत एक्सप्रेस और एक यात्री ट्रेन शामिल हैं। इनमें नागरकोइल-मंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस, तिरुवनंतपुरम-तंबरम अमृत भारत एक्सप्रेस, तिरुवनंतपुरम-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस और त्रिशूर और गुरुवायूर के बीच चलने वाली एक नई यात्री ट्रेन शामिल हैं। इन सेवाओं के आरंभ का उद्देश्य केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच लंबी दूरी और क्षेत्रीय संपर्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाना है, जिससे यात्रियों के लिए यात्रा अधिक किफायती, सुरक्षित और समयबद्ध हो जाएगी। बेहतर संपर्क से पूरे क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार, शिक्षा, रोजगार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत प्रोत्साहन मिलेगा।शहरी आजीविका को मजबूत करने के प्रयासों के तहत, प्रधानमंत्री पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड लॉन्च करेंगे, जो स्ट्रीट वेंडर्स के लिए वित्तीय समावेशन के अगले चरण की शुरुआत है। यूपीआई से जुड़ी, ब्याज-मुक्त यह रिवॉल्विंग क्रेडिट सुविधा तत्काल नकदी उपलब्ध कराएगी, डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देगी और लाभार्थियों को औपचारिक क्रेडिट इतिहास बनाने में मदद करेगी। प्रधानमंत्री केरल के स्ट्रीट वेंडर्स सहित एक लाख लाभार्थियों को पीएम स्वनिधि ऋण भी वितरित करेंगे। 2020 में शुरू होने के बाद से, पीएम स्वनिधि योजना ने लाभार्थियों के एक बड़े हिस्से को पहली बार औपचारिक ऋण तक पहुंच प्रदान की है और शहरी अनौपचारिक श्रमिकों के लिए गरीबी उन्मूलन और आजीविका सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राहुल गांधी ने मनरेगा के लिए लोगों से एकजुट होने का आह्वान किया

नयी दिल्ली २२/०१ (संवाददाता): कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) की जगह लाए गए 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' को लेकर बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी तथा केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और लोगों का आह्वान किया कि वे सरकार के इस कदम के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हों। उन्होंने कांग्रेस के प्रकोष्ठ रचनात्मक कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम मनरेगा बचाओ मोर्चा में यह आरोप भी लगाया कि भाजपा एक ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जहां एक राजा सारे फैसले करे। राहुल गांधी ने कहा, मनरेगा की परिकल्पना गरीबों को रोजगार देने के अधिकार का कानून था... इसमें लोगों और मजदूरों की आवाज थी। इस योजना ने हर गरीब व्यक्ति को 100 दिनों के रोजगार की गारंटी दी थी। ''उन्होंने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा इसे खत्म करना चाहते हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने निरस्त हो चुके कृषि कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों ने दबाव डालकर कानूनों को रद्द करवाया था तथा उन्होंने मजदूरों को रास्ता दिखाया है। राहुल गांधी ने दावा किया कि ये लोग (भाजपा) आधुनिक भारत के ढांचे को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे मालूम है कि ये (भाजपा) डरपोक लोग हैं।

नक्सलियों पर सर्जिकल स्ट्राईक! चाईबासा मुठभेड़ में 15 नक्सली ढेर, एक करोड़ का इनामी अनल दा भी मारा गया

चाईबासा २२/०१ (संवाददाता): झारखंड के चाईबासा जिले में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े अभियानों में से एक को अंजाम दिया है। झारखंड पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (ष्ट्रक्क्र) की संयुक्त कार्रवाई में 15 नक्सली मारे गए हैं। इस मुठभेड़ की सबसे बड़ी सफलता 1 करोड़ रुपये के इनामी नक्सली अनल दा का खात्मा है। यह मुठभेड़ चाईबासा के घने जंगल इलाके में हुई, जब सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान, नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने भी भारी जवाबी फायरिंग की।

अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी में 15 नक्सली मारे गए। बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद होने की आशंका है।

इलाके में अभी भी तलाशी अभियान जारी है और सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है ताकि कोई भी नक्सली भाग न सके।

अधिकारियों के मुताबिक, मुठभेड़ के बाद पूरे इलाके की घेराबंदी (ष्टश्वह्स्त्रश्ठ श्ढ्ढ) कर दी गई है। सुरक्षा बलों को अंदेशा है कि कुछ और नक्सली घायल अवस्था में जंगल के भीतर छिपे हो सकते हैं। चाईबासा के इन घने जंगलों में अभी भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है ताकि किसी भी नक्सली को भागने का मौका न मिले।झारखंड में नक्सलवाद की कमर तोड़ने की दिशा में इसे एक ऐतिहासिक सफलता माना जा रहा है। अनल दा जैसे बड़े कमांडर का मारा जाना नक्सली संगठन के लिए एक अपूरणीय क्षति है। राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इस सफल ऑपरेशन के लिए जवानों के साहस की सराहना की है।

छत्तीसगढ की स्टील फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, छह मजदूरों की मौत की आशंका

बलौदाबाजार २२/०१ (संवाददाता): छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले से एक भीषण औद्योगिक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ एक स्टील फैक्ट्री की चालू यूनिट में हुए जोरदार धमाके में कम से कम 6 श्रमिकों की मौत की आशंका है, जबकि 10 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है और राज्य में औद्योगिक सुरक्षा मानकों पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यह धमाका बकुलाही स्थित रियल इस्पात स्टील प्लांट में हुआ, जब एक कोयला भट्टी में अचानक धमाका हो गया और घटना के समय मजदूरों का एक ग्रुप भट्टी के आसपास सफाई का काम कर रहा था।मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाके के बाद गर्म कोयले और आग की लपटों के सीधे संपर्क में आने से पीड़ितों को जानलेवा जलने की चोटें आईं। धमाके के तुरंत बाद घायल मजदूरों को पास के अस्पतालों में ले जाया गया, हालांकि घायलों की सही संख्या की अभी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है।प्लांट मैनेजमेंट ने अभी तक धमाके के कारण या घायल मजदूरों की हालत के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

चुनाव आयोग का नया ऐप जारी, ज्ञानेश कुमार ने भ्रामक सूचनाओं से मुकाबले का हथियार बताया

नयी दिल्ली २२/०१ (संवाददाता): मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बृहस्पतिवार को मतदाताओं, अधिकारियों और राजनीतिक दलों के लिए एक नया डिजिटल ऐप जारी किया और कहा कि यह भ्रामक सूचना का मुकाबला करने का एक हथियार है। उन्होंने यहां एक अंतरराष्ट्रीय समेलन में भाग लेने वाले देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों को उनकी भाषाओं में और उनके कानूनों के अनुसार इसी तरह का उपकरण विकसित करने में सहायता की पेशकश की। कुमार ने बताया कि समेलन के दौरान विभिन्न चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुखों ने भ्रामक सूचना के विषय पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने 'ईसीआईनेट' को गलत सूचनाओं के प्रसार की चुनौती से निपटने के लिए एक औजार करार दिया क्योंकि इस पर चुनाव संबंधी सभी तथ्य उपलब्ध हैं। 'ईसीआईनेट' अपने 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशन को एकीकृत करेगा तथा सभी चुनाव-संबंधी गतिविधियों के लिए एक एकल मंच प्रदान करेगा। यह नया प्लेटफ़ॉर्म उपयोगकर्ताओं पर कई ऐप डाउनलोड करने, 'नेविगेट करने' और विभिन्न लॉगिन याद रखने के बोझ को कम करेगा।

इसके अतिरिक्त, ईसीआईनेट उपयोगकर्ताओं को अपने डेस्कटॉप या स्मार्टफोन पर प्रासंगिक चुनावी डेटा तक पहुंचने में भी सक्षम बनाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि डेटा यथासंभव सटीक है, ईसीआईनेट पर डेटा केवल निर्वाचन आयोग के अधिकृत अधिकारी द्वारा दर्ज किया जाएगा। संबंधित अधिकारी द्वारा की गयी प्रविष्टि यह सुनिश्चित करेगी कि हितधारकों को उपलब्ध कराया गया डेटा यथासंभव सटीक है। हालांकि, किसी भी टकराव की स्थिति में वैधानिक प्रपत्रों में विधिवत भरा हुआ प्राथमिक डेटा मान्य होगा।

डोडा में भीषण सड़क हादसा, गहरी खाई में गिरा सेना का ट्रक, 10 वीर जवानों ने गंवाई जान, 9 घायल

डोडा २२/०१ (संवाददाता): जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले से एक बहुत ही दुखद समाचार सामने आया है। बृहस्पतिवार को भारतीय सेना का एक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। इस भीषण दुर्घटना में 10 जवानों की मौत हो गई है, जबकि 9 अन्य जवान घायल बताए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ। सेना का वाहन नियमित आवाजाही के दौरान पहाड़ी रास्ते पर अचानक सड़क से फिसल गया और सीधे गहरी खाई में जा गिरा।

अधिकारियों ने बताया कि बुलेट-प्रूफ सेना का वाहन, जिसमें कुल 17 जवान सवार थे, एक ऊँची पोस्ट की ओर जा रहा था, तभी ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और वाहन 200 फुट गहरी खाई में गिर गया।सेना और पुलिस द्वारा तुरंत एक संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया गया और अधिकारियों ने बताया कि चार जवानों के शव मिले।

उन्होंने बताया कि नौ अन्य जवानों को घायल हालत में बचाया गया और उनमें से तीन, जिन्हें गंभीर चोटें आई हैं, उन्हें विशेष इलाज के लिए उधमपुर सैन्य अस्पताल में एयरलिफ्ट किया गया।

एलजी मनोज सिन्हा ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, डोडा में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में हमारे 10 बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से गहरा दुख हुआ। हम अपने बहादुर सैनिकों की उत्कृष्ट सेवा और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

16 साल से छोटे बच्चों के लिए बैन होगा सोशल मीडिया! ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर आंध्र प्रदेश राज्य उठाने वाला है कदम

अमरावती २२/०१ (संवाददाता): आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने खुलासा किया कि सरकार 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है, जैसा कि ऑस्ट्रेलिया ने पिछले महीने लागू किया था। दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के दौरान ब्लूमबर्ग से बातचीत में आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि एक निश्चित आयु से कम उम्र के युवा सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली सामग्री को पूरी तरह से नहीं समझते हैं, और एक मजबूत कानूनी ढांचा समय की आवश्यकता है। लोकेश ने जोर देकर कहा एक निश्चित आयु से कम उम्र के युवाओं को ऐसे प्लेटफार्मों पर नहीं होना चाहिए, क्योंकि वे उस सामग्री को पूरी तरह से नहीं समझते हैं जिसके वे संपर्क में आते हैं। इसलिए,

एक मजबूत कानूनी ढांचा आवश्यक हो सकता है। पिछले साल दिसंबर में, एंथनी अल्बानीज़ सरकार ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए टिकटॉक, एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और स्नैपचैट जैसी प्रमुख सोशल मीडिया सेवाओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस तरह के पहले प्रतिबंध के तहत, बच्चे नए खाते नहीं बना सकते हैं और मौजूदा प्रोफाइल को निष्क्रिय करना होगा।

आंध्र प्रदेश के स्थानीय मीडिया ने बताया कि सरकार इस तरह के कदम पर गंभीरता से विचार कर रही है। यदि इसे लागू किया जाता है, तो आंध्र प्रदेश बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाला भारत का पहला राज्य होगा।

लोकेश का समर्थन करते हुए, टीडीपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीपक रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान, महिलाओं के खिलाफ क्रूर और अपमानजनक हमले करने के लिए सोशल मीडिया का खुलेआम दुरुपयोग किया गया था। रेड्डी ने कहा कि एक निश्चित आयु से कम उम्र के बच्चे ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध नकारात्मक और हानिकारक सामग्री को समझने के लिए भावनात्मक रूप से परिपक्व नहीं होते हैं। यही कारण है कि आंध्र सरकार वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन कर रही है और ऑस्ट्रेलिया के 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया कानून की जांच कर रही है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इसे सरकारी निगरानी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए और इसका उद्देश्य बच्चों को हानिकारक सामग्री और ऑनलाइन नकारात्मकता से बचाना है।

दरअसल, ब्रिटेन समेत कई देश ऑस्ट्रेलिया द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के समान प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, ब्रिटेन के उच्च सदन ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के पक्ष में मतदान किया। ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि बच्चों पर सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए ऐसा कदम आवश्यक था। यह 2025 के एक अध्ययन पर आधारित था जिसमें पाया गया कि 10-15 वर्ष की आयु के 96त्न बच्चे सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, और उनमें से 70त्न स्त्री-द्वेषी और हिंसक सामग्री के संपर्क में आते हैं। हालांकि, 16 वर्ष से कम आयु के बच्चे उन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अधिकांश सामग्री देख सकेंगे जिनके लिए खाते की आवश्यकता नहीं होती है। दिलचस्प बात यह है कि ऑस्ट्रेलियाई कानून प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर माता-पिता या बच्चों को दंडित नहीं करता है। इसके बजाय, गंभीर या बार-बार उल्लंघन करने पर सोशल मीडिया कंपनियों पर 32 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया जाएगा।

विविध समाचार

गणतंत्र दिवस से पहले आतंक पर करारा प्रहार, कश्मीर में सुरक्षा बलों ने चलाया निर्णायक अभियान

श्रीनगर २२/०१ (संवाददाता):गणतंत्र दिवस से पहले जज़्मू कश्मीर एक बार फिर आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक मोर्चे पर खड़ा दिखाई दे रहा है। सुरक्षा बलों ने साफ संकेत दे दिए हैं कि इस बार किसी भी साजिश को पनपने का अवसर नहीं दिया जाएगा। जज़्मू शहर से लेकर किश्तवाड़ और शोपियां तक चल रहे सघन तलाशी अभियानों ने आतंकियों की कमर तोड़ दी है और उनके मददगार तंत्र में खलबली मचा दी है।

हम आपको बता दें कि जज़्मू के बाहरी इलाकों-भाटिंडी नारवाल और राजीव नगर में पुलिस और केंद्रीय बलों ने घर घर तलाशी अभियान चलाया। गणतंत्र दिवस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए यह कार्रवाई बेहद सज़्त और सुनियोजित रही। सीमा क्षेत्रों और राजमार्गों पर निगरानी बढ़ाई गई है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। सुरक्षा एजेंसियां साफ कर चुकी हैं कि राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए अब कोई नरमी नहीं है। किश्तवाड़ जिले के ऊंचाई वाले जंगलों में हालात और भी गंभीर रहे। चतरू क्षेत्र के सोनार और मंद्रल सिंहपोरा में आतंकियों की मौजूदगी की पुज़्ता सूचना के बाद सेना ने अतिरिक्त जवान तैनात किए। ऑपरेशन त्राशी एक के तहत चल रहे इस अभियान में जवानों ने दुर्गम इलाकों में भी मोर्चा संभाले रखा। रविवार से शुरू हुई मुठभेड में एक वीर पैराट्रूपर शहीद हुआ और कई जवान घायल हुए लेकिन अभियान रुका नहीं। आतंकियों द्वारा छिपकर किए गए ग्रेनेड हमले और लगातार गोलीबारी के बावजूद सुरक्षा बलों ने दबाव बनाए रखा। मुठभेड़ स्थल के पास एक बड़ा आतंकी ठिकाना उजागर होना इस बात का प्रमाण है कि आतंकी संगठन गहरी साजिश के साथ इलाके में जड़ें जमाने की कोशिश कर रहे थे। खुफिया एजेंसियों का अनुमान है कि इस क्षेत्र में दो से तीन आतंकी सक्रिय हैं जिनका संबंध सीमा पार बैठे आतंकी आकाओं से है। आज वहां फिर से गोलीबारी शुरू होना बताता है कि आतंकी घिर चुके हैं और बौखलाहट में हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में भी सुरक्षा बलों की सतर्कता ने बड़ी अनहोनी टाल दी। अवनीरा गांव के एक बाग से लगभग छह किलो वजनी आईईडी बरामद कर उसे नियंत्रित विस्फोट में नष्ट कर दिया गया। यह साफ है कि गणतंत्र दिवस से पहले आम लोगों को निशाना बनाने की साजिश रची जा रही थी जिसे समय रहते विफल कर दिया गया।

इसी बीच, कश्मीर में कुछ पत्रकारों को पुलिस द्वारा तलब किए जाने को लेकर बहस छिड़ गई है। कुछ संगठनों और दलों ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जोड़ कर देखा है जबकि सुरक्षा एजेंसियों का रुख स्पष्ट है कि संवेदनशील माहौल में हर सूचना की जांच जरूरी है। देखा जाये तो जब आतंकवाद अपनी आखिरी सांसें गिन रहा हो तब अफवाह और अधूरी जानकारी भी हथियार बन सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि दशकों तक आतंकवाद ने इस क्षेत्र को लहूलुहान किया लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। सेना पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने साफ कर दिया है कि वे पीछे नहीं हटेंगे और आतंक के हर ठिकाने को मिट्टी में मिला देंगे। कुछ लोग इन कार्रवाइयों पर सवाल उठाते हैं और मानवाधिकार या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की दुहाई देते हैं। सवाल यह है कि जब निर्दोष नागरिकों की जान लेने के लिए आईईडी बागों में दफनाए जाएं तब चुप्पी ज़्यों साध ली जाती है। राष्ट्र की सुरक्षा सर्वोपरि है और यह बात अब बिना किसी लाग लपेट के कहनी होगी।

भारत ने स्पष्ट नीति अपनाई है कि आतंकवाद और उससे जुड़े हर तंत्र को जड़ से खत्म किया जाएगा। कोई नरमी नहीं, कोई समझौता नहीं। यही आक्रामक और निर्णायक रुख आज की जरूरत है। गणतंत्र दिवस केवल एक समारोह नहीं बल्कि उस संविधान का उत्सव है जिसे आतंकवादी ताकतें बार बार चुनौती देती रही हैं। ऐसे में सुरक्षा बलों का हर कदम देश के आम नागरिक को भरोसा देता है कि भारत झुकने वाला नहीं है।

बहरहाल, कश्मीर में शांति का रास्ता आतंक के सफाए से होकर ही जाता है। जो लोग भ्रम फैलाते हैं उन्हें भी यह समझना होगा कि राष्ट्रहित से बड़ा कोई तर्क नहीं। आज का भारत जाग चुका है और आतंकवाद के विरुद्ध उसकी पहल न केवल सराहनीय है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जरूरी भी है।

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर शर्मनाक! कोरियाई महिला पर्यटक से छेड़छाड़

बेंगलुरु २२/०१ (संवाददाता): कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के केज़्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (चढ्ढ) से सुरक्षा और महिला सुरक्षा पर सवाल उठाने वाली एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक दक्षिण कोरियाई महिला पर्यटक ने हवाई अड्डे के एक कर्मचारी पर यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया है।पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, यह घटना 19 जनवरी की है। पीड़ित महिला ने अपनी इमिग्रेशन प्रक्रिया पूरी कर ली थी, तभी आरोपी कर्मचारी ने उसे रोका। आरोपी की पहचान अफ़ान अहमद के रूप में हुई है। आरोपी ने महिला से दावा किया कि उसके चेक-इन बैगेज (सामान) से %बीप% की आवाज आ रही है और उसके सामान की गहन जांच की आवश्यकता है।स्नढ्ढक्र के अनुसार, अहमद ने टूरिस्ट से कहा कि उसके चेक-इन बैगेज में से बीप की आवाज़ आ रही है। उसने दावा किया कि काउंटर पर डिटेल में जांच करने से उसकी ज़्लाइट में देरी होगी और इसके बजाय पर्सनल चेक करने का सुझाव दिया। इसके बाद उसने कथित तौर पर महिला को एक वॉशरूम के पास ले गया, जहाँ उसने बार-बार उसके सीने और प्राइवेट पार्ट्स को छुआ, उसके सीने को दबाया, और बाद में उसकी मर्ज़ी के बिना उसे पीछे से गले लगाया।एफआईआर के मुताबिक, अफ़ान अहमद ने महिला पर्यटक को डराते हुए कहा कि यदि उसके सामान की काउंटर पर विस्तृत जांच की गई, तो इसमें बहुत समय लगेगा और उसकी ज़्लाइट छूट सकती है।

मदद के बहाने आरोपी ने सुझाव दिया कि वह सामान की जगह उसकी %व्यक्तिगत जांच% (क्क्षह्लह्य शठ्ठड्डद्य ष्टद्धद्गष्ज्ञ) कर लेगा ताकि उसे जल्दी जाने दिया जा सके।इसी झांसे में लेकर आरोपी ने टिकट और सामान की जांच करने के बहाने महिला के साथ कथित तौर पर यौन छेड़छाड़ की। जब उसने विरोध किया, तो उसने कथित तौर पर कहा, फ्ठीक है, धन्यवाद,फ्र और चला गया। इस घटना से हैरान होकर महिला ने तुरंत एयरपोर्ट सिज़्योरिटी में शिकायत दर्ज कराई। उसकी रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए, अधिकारियों ने अहमद को हिरासत में ले लिया और उसे पुलिस को सौंप दिया। स्नढ्ढक्र के आधार पर, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और औपचारिक जांच शुरू कर दी है।

समृद्ध तमिलनाडु के लिए मजबूत राजग आवश्यक-अमित शाह

नयी दिल्ली २२/०१ (संवाददाता): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि टी.टी.वी. दिनाकरन के नेतृत्व वाली एएमएमके की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गठबंधन और मजबूत हुआ है।शाह ने कहा कि तमिलनाडु के लोग आगामी विधानसभा चुनावों में राजग को आशीर्वाद देने के लिए तैयार हैं ताकि राज्य को विकास और समृद्धि की नयी ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके।तमिलनाडु के बहुप्रतीक्षित विधानसभा चुनावों से पहले, एएमएमके ने अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन पर विश्वासघात का आरोप लगाते हुए राजग में वापसी की है। शाह ने एज़्स पर एक पोस्ट में कहा, ''समृद्ध तमिलनाडु के लिए मजबूत राजग। मैं टीटीवी दिनाकरन जी के नेतृत्व वाली अज़्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) का राजग का हिस्सा बनने पर स्वागत करता हूं। तमिलनाडु के लोग द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के भ्रष्ट और वंशवादी शासन से तंग आ चुके हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार को तमिलनाडु को विकास और समृद्धि की नयी ऊंचाइयों पर ले जाने का आशीर्वाद देने के लिए तैयार हैं।'' तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले टीटीवी दिनाकरन के नेतृत्व वाली एएमएमके बुधवार को फिर से राजग में शामिल हो गई।

अमित शाह

मध्यप्रदेश भोजशाला विवाद-सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, बसंत पंचमी पर हिंदू करेंगे पूजा, मुस्लिम पढ़ेंगे नमाज

धार २२/०१ (संवाददाता): मध्यप्रदेश के धार जिले में स्थित 11वीं सदी का स्मारक %भोजशाला% एक बार फिर चर्चा में है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (्स्ढ्ढ) द्वारा किए गए वैज्ञानिक सर्वेक्षणों और अदालती कार्यवाहियों ने इस ऐतिहासिक स्थल से जुड़े विवाद को देश के सबसे चर्चित धार्मिक विवादों में से एक बना दिया है सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के धार में विवादित भोजशाला मंदिर-कमल मौला मस्जिद परिसर में हिंदुओं और मुसलमानों को प्रार्थना करने की इजाज़त दे दी है।

हिंदू समुदाय के सदस्यों को हिंदू त्योहार बसंत पंचमी पर, जो इस साल शुक्रवार को पड़ रहा है, सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा करने की इजाज़त दी गई है, जबकि मुसलमान दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक अपनी शुक्रवार की नमाज़ पढ़ सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नमाज़ के लिए आने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों की संज़्या ज़िला प्रशासन को बतानी होगी। कोर्ट ने ज़िला प्रशासन को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के इंतज़ाम करने का भी निर्देश दिया। कोर्ट हिंदू संगठन, हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस (॥स्नछ्व) द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें बसंत पंचमी पर हिंदुओं को पूजा करने का विशेष अधिकार देने की मांग की गई थी।

॥स्नछ्व की ओर से वकील विष्णु शंकर जैन ने 2 जनवरी को यह अर्जी दाखिल की थी और इसे कोर्ट के सामने अर्जेंट तौर पर पेश किया गया था। अर्जी में कहा गया है कि आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (्स्ढ्ढ) के 2003 के आदेश में ऐसी स्थितियों के बारे में कुछ नहीं कहा गया है जब बसंत पंचमी शुक्रवार की नमाज़ के दिन पड़ती है। उन्होंने 23 जनवरी को पूरे दिन हिंदुओं के लिए खास, बिना किसी रुकावट के पूजा के अधिकार की मांग की।

2003 के ्स्ढ्ढ के आदेश के अनुसार, मुसलमानों को उस जगह पर दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच शुक्रवार की नमाज़ पढ़ने की इजाज़त है, जबकि हिंदुओं को बसंत पंचमी पर पारंपरिक पूजा करने की इजाज़त है और हर मंगलवार को उन्हें खास एज़्सेस दिया जाता है। हालांकि, इसमें उन सालों के लिए कोई व्यवस्था नहीं बताई गई है जब बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ती है।भोजशाला का मामला अयोध्या के राम मंदिर और वाराणसी के ज्ञानवापी विवाद की तरह ही धार्मिक संवेदनशीलता से जुड़ा है। हिंदू पक्ष की मांग है कि उन्हें यहाँ प्रतिदिन पूजा का अधिकार मिले और सरस्वती प्रतिमा (जो वर्तमान में लंदन के संग्रहालय में है) को वापस लाया जाए। दूसरी ओर, मुस्लिम पक्ष का तर्क है कि 1991 के %प्लेसेज ऑफ वर्शिप एज़्ट% के तहत इस स्थल की यथास्थिति नहीं बदली जा सकती।

मध्यप्रदेश की राजनीति में भोजशाला हमेशा से एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। बसंत पंचमी के अवसर पर, जब यह शुक्रवार को पड़ती है, तो यहाँ स्थिति और भी तनावपूर्ण हो जाती है ज़्योंकि दोनों समुदायों के धार्मिक समय आपस में टकराते हैं।

हिंदू पक्ष के अनुसार, यह राजा भोज द्वारा निर्मित वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर है, जो शिक्षा और कला का एक बड़ा केंद्र था। वहीं, मुस्लिम पक्ष इसे कमाल मौला मस्जिद मानता है। उनका दावा है कि यहाँ सदियों से नमाज अदा की जा रही है और यह एक प्राचीन इस्लामी स्थल है।

चुनाव आयोग का कामकाज निष्पक्ष नहीं, भूपेश बघेल बोले-मतदाताओं के अधिकारों की हो रही लूट

रायपुर २२/०१ (संवाददाता): छज़्तीसगढ़ के पूर्व मुज़्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने बुधवार को दावा किया कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) का कामकाज पक्षपातपूर्ण है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लाखों वोटों की गिनती का मुद्दा उठाया है। बघेल ने कहा कि मतदाताओं के अधिकारों की लूटफ्र हो रही है। चुनाव आयोग का कामकाज निष्पक्ष नहीं है, और कई उदाहरणों से यह साबित हो चुका है। पूरा देश इसके खिलाफ खड़ा है, और राहुल गांधी ने लोकसभा में यह मुद्दा उठाया है। लाखों की संज़्या में ये फर्जी वोट कहां से आ रहे हैं? ये सभी उदाहरण हैं जिनसे चुनाव प्रभावित हो रहे हैं। लोकसभा में चुनाव सुधारों पर बहस के बीच, समाजवादी पार्टी (एसपी) के सांसद राम गोपाल यादव ने बुधवार को कहा कि चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अज़्यास में गड़बड़ी करने वाला असली दोषी जिला स्तर पर है।

एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वोटों के हेरफेर के लिए असल में जिज़्मेदार लोग प्रशासन का हिस्सा हैं और एक राजनीतिक दल की तरह काम करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ चुनाव आयोग को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन उसे शिकायतों पर कार्रवाई करनी चाहिए। कलेज़्टर और चुनाव आयोग एसआईआर कराने के लिए जिज़्मेदार हैं, लेकिन गड़बड़ी करने वाले असली दोषी जिला स्तर पर हैं। मैंने चुनाव आयोग से कहा था कि आप कोई भी आदेश जारी कर सकते हैं, लेकिन अगर लखनऊ में बैठे लोग कलेज़्टर को वोट काटने के लिए कहें, तो चाहे आप कितना भी कहें कि उनके वोट रहने चाहिए, वे कट जाएंगे। हम सिर्फ चुनाव आयोग को दोष नहीं दे सकते। प्रशासन से जुड़े वे लोग जो एक पार्टी की तरह काम कर रहे हैं, वे ही इन वोटों को इधर-उधर हेरफेर करने के लिए जिज़्मेदार हैं।यह तब सामने आया है जब संसद के चल रहे शीतकालीन सत्र के आठवें दिन लोकसभा में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा शुरू किए गए एसआईआर अज़्यास पर चर्चा जारी है। वरिष्ठ कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कल बहस की शुरुआत की, जिसके बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विपक्ष की ओर से चर्चा को आगे बढ़ाते हुए चुनाव आयोग पर सज़ारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर चुनाव में धांधली करने का गंभीर आरोप लगाया।

अब बुजुर्गों को नहीं लगाने पड़ेंगे अस्पतालों के चक्कर, घर पर ही मिलेंगी स्वास्थ्य सेवाएं

पटना २२/०१ (संवाददाता):बिहार के मुज़्यमंत्री नीतीश कुमार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की घोषणा की है। 'सात निश्चय-3' कार्यक्रम के सातवें निश्चय 'सबका सज़्मान-जीवन आसान' के तहत अब राज्य के बुजुर्गों को घर बैठे आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलज़्ध कराई जाएंगी।

इससे लाखों वरिष्ठ नागरिकों को अस्पतालों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। सीएम नीतीश कुमार ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एज़्स पर एक पोस्ट में लिखा, 24 नवंबर 2005 को राज्य में जब से हमलोगों की सरकार बनी तब से न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए हमलोगों ने समाज के सभी वर्ग के लोगों के उत्थान एवं हर क्षेत्र के विकास के लिए काम किया है। हमलोगों ने पूरे बिहार को अपना परिवार माना है और सबके मान और सज़्मान का पूरा ज़्याल रखा है। अब राज्य में समाज के हर वर्ग के लोग सज़्मान के साथ आसानी से जीवन व्यतीत कर सकें इसे लेकर हमलोगों ने गंभीरता से कार्य प्रारंभ कर दिया है।

उन्होंने कहा कि हम लोगों ने वर्ष 2025 से 2030 के लिए राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने हेतु सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों को लागू किया है।

सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय 'सबका सज़्मान-जीवन आसान' (इज ऑफ लिविंग) का उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करना तथा उनके जीवन को और भी आसान बनाना है।

सीएम नीतीश ने कहा कि सबसे पहले हमलोगों की कोशिश है कि राज्य के जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को जरूरत के समय उनके घर पर ही अत्यावश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलज़्ध हो सकें। इसके लिए सबसे पहले नर्सिंग सहायता की सुविधा घर पर मुहैया कराई जाएगी। साथ ही, पैथोलॉजी जांच जैसे ज़्लड टेस्ट भी घर पर ही किए जा सकेंगे। ज़्लड प्रेशर की जांच और ईसीजी जैसी महत्वपूर्ण जांचें भी अब बुजुर्गों के घर पहुंचकर उपलज़्ध होंगी। फिजियोथेरेपी की सुविधा भी घर पर दी जाएगी। इसके अलावा, आपातकालीन स्थिति में सभी प्रकार की चिकित्सकीय सहायता तुरंत घर पर पहुंचाई जाएगी।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

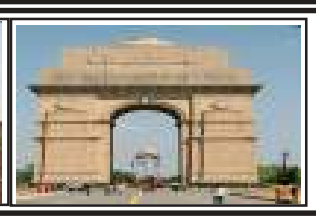

विविध समाचार

बसंत पंचमी के दिन सरस्वती यंत्र की पूजा किस विधि से करें?

हिंदू धर्म में बसंत पंचमी का पर्व मां सरस्वती को समर्पित है। इस दिन सरस्वती माता की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। अब ऐसे में इस दिन सरस्वती यंत्र की पूजा का महत्व क्या है। सनातन धर्म में बसंत पंचमी मां सरस्वती को समर्पित है। इस दिन इनकी पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को मां सरस्वती की कृपा प्राप्त हो सकती है और ज्ञान, कला के साथ-साथ सभी कार्यों में निपुणता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस दिन किताब और कलम की पूजा-अर्चना करने का विधान है। इस दिन संगीत यंत्र भी पूजा की जाती है। अब ऐसे में अगर आप बसंत पंचमी के दिन विद्या और कला की देवी सरस्वती की पूजा कर रहे हैं तो सरस्वती यंत्र की भी पूजा करने से भक्तों को लाभ हो सकता है।

सरस्वती यंत्र की पूजा के लिए सामग्री?

सरस्वती यंत्र, लाल फूल सफेद फूल, धूप, दीप अक्षत, रोली, माला, नैवेद्य गंगाजल, दूध, पंचामृत पंजीरी भोग के लिए

सरस्वती यंत्र की पूजा किस विधि से करने से करें?

- सबसे पहले सुबह उठकर स्नान आदि से निवृत्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल से शुद्ध करें।
- सरस्वती यंत्र को एक लाल कपड़े पर स्थापित करें।
- यंत्र के सामने धूप, दीप, अक्षत, पुष्प, चंदन आदि अर्पित करें।
- गणेश जी का ध्यान करें और उन्हें प्रणाम करें।
- फिर सरस्वती माता का ध्यान करें और उन्हें प्रणाम करें।
- सरस्वती मंत्र का जाप करें। ॐ ऐं ह्रीं क्लीं महासरस्वत्यै नम: मंत्र का जाप कर सकते हैं।
- सरस्वती यंत्र को गंगाजल और दूध से स्नान कराएं।
- यंत्र पर चंदन, कुमकुम और अक्षत लगाएं।
- यंत्र को पुष्प और माला अर्पित करें।
- धूप और दीप जलाएं।
- सरस्वती कथा का पाठ करें।
- अंत में आरती करें और सभी को प्रसाद वितरित करें।

सरस्वती यंत्र की पूजा का महत्व

सरस्वती यंत्र की पूजा करने से बुद्धि, विद्या, ज्ञान और रचनात्मकता में वृद्धि होती है। यह छात्रों और कलाकारों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को कार्यक्षेत्र में सफलता नहीं मिल रही है तो सरस्वती यंत्र की पूजा बसंत पंचमी के दिन विशेष रूप से करने से लाभ हो सकता है और छात्रों के लिए यह दिन सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसलिए इस दिन सभी छात्र विधिवत रूप से पूजा करें।

श्रद्धा व उल्लास का पर्व वसंत पंचमी

वसंत पंचमी, जिसे सरस्वती जयंती के रूप में भी जाना जाता है, हिंदू परंपरा में गहरा महत्व रखती है क्योंकि इसे देवी सरस्वती की जयंती माना जाता है। देवी लक्ष्मी को समर्पित दिवाली और देवी दुर्गा को समर्पित नवरात्रि की तरह, वसंत पंचमी ज्ञान और ज्ञान की प्रतिष्ठित देवी, सरस्वती की पूजा के आसपास केंद्रित एक उत्सव है। इस शुभ दिन पर, भक्त दिन के हिंदू प्रभाग में दोपहर से पहले के समय, पूर्वाह्न के दौरान देवी सरस्वती का सम्मान करते हैं। देवी को सफेद कपड़ों और फूलों से सजाया जाता है, जो पवित्रता का प्रतीक है, क्योंकि सफेद को देवी का पसंदीदा रंग माना जाता है। दूध और सफेद तिल से बनी मिठाइयों का प्रसाद देवी सरस्वती को अर्पित किया जाता है और दोस्तों और परिवार के बीच प्रसाद के रूप में साझा किया जाता है। उत्तर भारत में, वर्ष के इस समय के दौरान खिले हुए सरसों के फूलों और गेंदा फूल की प्रचुरता के कारण पूजा के लिए पीले फूलों को विशेष रूप से चुना जाता है। वसंत पंचमी न केवल धार्मिक अनुष्ठान का दिन है, बल्कि विद्या आरंभ का भी प्रतीक है, एक अनुष्ठान जिसका उद्देश्य छोटे बच्चों को शिक्षा और औपचारिक शिक्षा के दायरे से परिचित कराना है। कई स्कूल और कॉलेज ज्ञान और शैक्षणिक गतिविधियों के महत्व पर जोर देते हुए, उत्सव के हिस्से के रूप में सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं जबकि वसंत पंचमी नाम भारतीय वसंत ऋतु से संबंध का सुझाव दे सकता है, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह दिन जरूरी नहीं कि वसंत के मौसम से जुड़ा हो। कुछ वर्षों में, यह वसंत के दौरान पड़ता है, लेकिन यह लगातार होने वाली घटना नहीं है। परिणामस्वरूप, श्री पंचमी और सरस्वती पूजा जैसे वैकल्पिक नामों को अधिक उपयुक्त माना जाता है, यह स्वीकार करते हुए कि हिंदू त्यौहार विशिष्ट मौसमों से सख्ती से बंधे नहीं हैं।

प्रेरणादायी हैं मां सरस्वती का स्वरूप

वसंत पंचमी हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ शुक्ल की पंचमी को मनाई जाती है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द व शक्ति की प्राप्ति जीव को हुई थी। सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है।

- पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है।
- शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं और उनके चार हाथ हैं जिनमें वीणा, पुस्तकमाला और अक्षरमाला है। उनका वाहन हंस है।
- शुभ्रवस्त्र मानव को प्रेरणा देते हैं कि अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाएं और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करें।
- दो हाथों में वीणा ललित कला में प्रवीण होने की प्रेरणा देती है।
- जिस प्रकार वीणा के सभी तारों में सामंजस्य होने से मधुर संगीत निकलता है वैसे ही मनुष्य अपने जीवन में मन व बुद्धि का सही तालमेल रखे।
- सरस्वती का वाहन हंस विवेक का परिचायक है।

वसंत पंचमी कैसे मनाई जाती है

वसंत पंचमी विभिन्न अनुष्ठानों और गतिविधियों के माध्यम से मनाई जाती है जिनका सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है। इस त्यौहार से जुड़े मुख्य अनुष्ठान इस प्रकार हैं -

घर पर सरस्वती पूजा

परिवार देवी सरस्वती को प्रार्थना समर्पित करते हुए घर पर सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं। अनुष्ठानों में अध्ययन, कला, शिल्प, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए प्रार्थना करना शामिल है।

पतंग उड़ाना

वसंत पंचमी के दौरान पतंग उड़ाना एक लोकप्रिय गतिविधि है, जो उत्सव में एक उत्सव और खुशी का तत्व जोड़ती है।

सफेद और पीले कपड़े पहनना

लोग पारंपरिक रूप से इस दिन सफेद और पीले कपड़े पहनते हैं, जो पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक है। विशेष रूप से सरसों की फसल की कटाई के समय से जुड़े होने के कारण पीला रंग विशेष महत्व रखता है।

सरसों और गेंदे के फूल चढ़ाना

भक्त पूजा अनुष्ठान के हिस्से के रूप में देवी सरस्वती को सरसों और गेंदे के फूल चढ़ाते हैं।

बच्चों के लिए विद्या आरंभ

वसंत पंचमी छोटे बच्चों को विद्या आरंभ के अनुष्ठान के माध्यम से शिक्षा की दुनिया में आरंभ करने के लिए महत्वपूर्ण है।

स्कूलों और कॉलेजों में सरस्वती पूजा

कई शैक्षणिक संस्थान शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं। पूजा के बाद, छात्रों और उनके परिवार के सदस्यों को प्रसाद दिया जाता है, उसके बाद उत्सव का भोजन किया जाता है।

नए उद्यम शुरू करना

नए उद्यम शुरू करने, विशेषकर शैक्षणिक संस्थानों और कॉलेजों का उद्घाटन करने के लिए यह दिन शुभ माना जाता है।

मृत परिवार के सदस्यों के लिए पितृ तर्पण

जीवन और ज्ञान का जश्न मनाने के अलावा, कुछ परिवार पितृ तर्पण भी करते हैं, जो मृत परिवार के सदस्यों को सम्मान देने और याद रखने का एक अनुष्ठान है।

साड़ी पहनना

वसंत पंचमी पर साड़ी पहनना एक आम बात है, जो उत्सव में पारंपरिक स्पर्श जोड़ती है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्कूल और कॉलेज अक्सर इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं, प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते हैं और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाते हैं।

बसंत पंचमी 2026 कब है?

सरस्वती पूजा की विधि और अबुझ मुहूर्त का महत्व

साल 2026 में बसंत पंचमी 23 जनवरी को मनाई जाएगी. पंचमी तिथि की उदयातिथि इसी दिन होने से यह पर्व विशेष फलदायी होगा. इस अबूझ मुहूर्त पर पीले वस्त्र पहनकर मां सरस्वती की पूजा करना, नई शुरुआत, शिक्षा और कला साधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है.

देवघर: कहा जाता है कि जिस छात्र पर मां सरस्वती की कृपा हो जाती है उसका जीवन ज्ञान, विवेक और सफलता से भर जाता है. ज्ञान, कला और बुद्धि की देवी मां सरस्वती को समर्पित बसंत पंचमी का पर्व हर साल माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है. इस दिन विशेष रूप से छात्र-छात्राएं मां सरस्वती की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं.

क्या कहते है ज्योतिषाचार्य

नंदकिशोर मुद्गल ने बताया कि नए साल 2026 में बसंत पंचमी का पर्व 23 जनवरी को मनाया जाएगा. ऋषिकेश पंचांग के अनुसार माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 22 जनवरी दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से होगी और इसका समापन अगले दिन 23 जनवरी दोपहर 2 बजकर 20 मिनट में होगा. उदयातिथि को मान्यता देने के कारण 23 जनवरी को ही बसंत पंचमी का पर्व मनाना शुभ रहेगा.

पूजा का महत्व और विधि

ज्योतिषाचार्य के अनुसार बसंत पंचमी के दिन छात्र-छात्राओं को सुबह स्नान कर शुद्ध मन से मां सरस्वती की पूजा करनी चाहिए. इस दिन षोडशोपचार विधि से पूजा करना विशेष फलदायी माना गया है. पूजा में मां को सफेद या पीले फूल, अक्षत, पुस्तक, कलम और वाद्य यंत्र अर्पित किए जाते हैं. इससे पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है और ज्ञान की प्राप्ति होती है.

बसंत पंचमी के दिन वस्त्र और रंग का विशेष महत्व

बसंत पंचमी के दिन पीले या सफेद वस्त्र धारण करना शुभ माना जाता है. पीला रंग बसंत ऋतु, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है. इसी कारण इस दिन पीले वस्त्र, पीले फूल और पीले प्रसाद का विशेष महत्व होता है.

अबुझ मुहूर्त का रहता है दिन

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि बसंत पंचमी को अबूझ मुहूर्त माना जाता है. यानी इस दिन बिना पंचांग देखे किसी भी नए कार्य की शुरुआत की जा सकती है. शिक्षा की शुरुआत, लेखन कार्य, संगीत या कला की साधना के लिए यह दिन बेहद शुभ माना जाता है. इस दिन पूजा आराधना करने के लिए पूरा दिन शुभ मुहूर्त होता है.

उत्साह और विवेक का प्रतीक माना जाता है पीला रंग

वसंत पंचमी के पर्व पर वैसे भी चटख पीला रंग उत्साह और विवेक का प्रतीक माना जाता है। इसके साथ सफेद रंग से जुड़ी शांति भी शामिल हो जाती है। इस दिन खास तौर पर कई घरों में रंगोली सजाई जाती है। कुछ लोगों के यहां केसर वाले पीले रंग के मीठे चावल खास इसी दिन बनाए जाते हैं। कई परिवारों में आज भी वसंत पंचमी के दिन एक-दूसरे के घरों में मीठे चावल और केले भेंट किए जाते हैं। कई परिवारों द्वारा मंदिरों में हलवा और मिठाई दान करने की परंपरा है। वसंत ऋतु के साथ होली के आगमन की दस्तक और सरस्वती पूजा का यह पर्व पुराने समय से ही युवाओं के लिए उत्साह वाला रहा है। ग्रामीण इलाकों में अपने खेतों में गेहूं, मटर, चना और दूसरी तरह की लहलहाती हरी-भरी फसलों को देखकर किसानों के मन प्रफुल्लित हो जाते हैं। खेतों में दूर-दूर तक धानी-सरसों के फूलों की पीली चादर बरबस मन को मोह लेती है। कोहरे और ओस से भीगी मिट्टी और रंगबिरंगे फूलों की मिली-जुली भीनी खुशबू अपनी ओर खींचती है। ऐसे समय में हर किसी का मन बिना बहके नहीं रह सकता। ऐसा नजारा देखकर किसी भी कवि मन से श्रृंगार रस की एक से एक मनभावन कविताएं फूट पड़ना आम बात है। इस दिन हजारों युवा विवाह के बंधन में बंध जाएंगे। पंचांग के अनुसार हिंदू धर्म में नवंबर के बाद शादियों पर प्रतिबंध लग जाता है पर वसंत पंचमी के दिन से शादियां फिर से शुरू हो जाती हैं।

बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को अर्पित करें 11 सफेद और पीली शुभ सामग्री

23 जनवरी को बसंत पंचमी मनाई जाएगी। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार माघ माह की शुक्ल पंचमी को बसंत पंचमी के रूप में माता सरस्वती का जन्मोत्सव और मदनोत्सव मनाया जाता है। इस दिन माता सरस्वती की पूजा होती है। आओ जानते हैं कि माता सरस्वती को कौनसी सी 11 सफेद और पीली शुभ सामग्री अर्पित करना चाहिए।

- **पीले और सफेद फूल** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को पीले या सफेद फूल अर्पित करें।
- **पीले और सफेद वस्त्र** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को पीले या सफेद वस्त्र अर्पित करें। इस पूजा करते समय पीले वस्त्र पहनना चाहिए।
- **पीले या सफेद पेड़े या मिठाई** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को पीले या सफेद पेड़े अर्पित करें।
- **केला** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को केला अर्पित करें।
- **बूंदी** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को बूंदी अर्पित करें।
- **पीले चावल** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को केसर मिश्रित पीले चावल अर्पित करने से वह प्रसन्न होती हैं।
- **श्वेत चंदन** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती की श्वेत चंदन से पूजा की जाती है।
- **मधु** : शहद अर्पित करें।
- **गन्ना और गन्ने का रस** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को गन्ना और गन्ने का रस भी अर्पित करें।
- **दूध, दही और मक्खन** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को दूध, दही और मक्खन अर्पित करें।
- **अन्य सामग्री** : धान का लावा, सफेद तिल के लड्डू, पका हुआ गुड़, श्वेत अलंकार, खोये का श्वेत मिष्ठान, अदरक, मूली, शर्करा, सफेद धान के अक्षत, तण्डुल, शुक्ल मोदक, घृत, सैन्धवयुक्त हविष्यान्न, यवचूर्ण या गोधूमचूर्णिका घृतसंयुक्त पिष्टक, पके हुए केले की फली का पिष्टक, नारियल, नारियल का जल, श्रीफल, बदरीफल, ऋतुकालोद्भव पुष्प फल आदि। पूजा में पेन, कॉपी, किताब, वाद्य यंत्र आदि को शामिल करना चाहिए।

विदेशों में भी पूज्य हैं मां सरस्वती

बसंत पंचमी का पर्व धार्मिक उत्सव का दिन है। इस दिन देवी सरस्वती की आराधना विशेष रूप से की जाती है। देवी मां सरस्वती के बारे में कहा जाता है कि ये मूर्ख को भी विद्वान बना सकती हैं। देवी सरस्वती हिंदू धर्म की एक प्रमुख देवी है, जिसे ज्ञान और विद्या की देवी माना गया है। बसंत पंचमी का दिन मां सरस्वती, माता शारदा, देवी वाग्देवी, भारती, वीणावादिनी आदि नामों से पूजित इस विख्यात देवी की पूजा व सामाजिक कार्यक्रम माना जाता है।

इस बात में कोई संदेह नहीं है कि ज्ञान की पूजा का महत्व हमारी भारतीय संस्कृति में सदियों से है और यह आगे भी जारी रहेगा। यही कारण है कि दुनिया के लगभग हर देश में ज्ञान की देवी और देवताओं परिकल्पना की गई है। उसे कताई-बुनाई, संगीत, चिकित्सा शास्त्र और गणित सहित रोजमर्रा के कार्यों में निपुणता की देवी माना गया है।

कहां-कहां होती है देवी सरस्वती की पूजा - पुराणों के अनुसार सदियों से देवी सरस्वती की पूजा भारत और नेपाल तथा विदेश में होती आ रही है। देवी सरस्वती को बर्मा (म्यांमार) में थुयथदी, सूरस्सती और तिपिटका मेदा, चीन में बियानचाइत्यान, जापान में बेंजाइतेन और थाईलैंड में सुरसवदी के नाम से जाना जाता है। मां देवी सरस्वती की आराधना केवल भारत और नेपाल में ही नहीं, बल्कि चीन, थाईलैंड, जापान, इंडोनेशिया, बर्मा (म्यांमार) और अन्य कई देशों में भी होती है। प्राचीन ग्रीस में एथेंस शहर की संरक्षक देवी एथेना को ज्ञान, कला, साहस, प्रेरणा, सभ्यता, कानून-न्याय, गणित, जीत की देवी माना गया जापान की लोकप्रिय देवी बेंजाइतेन को हिंदू देवी सरस्वती का जापानी संस्करण कहा जाता है। इस देवी के नाम पर जापान में कई मंदिर हैं। जर्मनी में जहां इन्हें स्नोत्र को ज्ञान, सदाचार और आत्मनियंत्रण की देवी माना गया है, वहीं फ्रांस, स्पेन, इंग्लैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया सहित कई यूरोपीय देशों में ज्ञान और शिल्प की देवी के रूप में मिनर्वा का स्मरण किया जाता है।

देवी का स्वरूप- माघ शुक्ल पंचमी, जिसे बसंत पंचमी भी कहते हैं, उस दिन देवी सरस्वती की आराधना विशेष रूप से की जाती है। धार्मिक ग्रंथों में माता सरस्वती के रूप-रंग को शुक्लवर्णा और श्वेत वस्त्रधारिणी बताया गया है, जो वीणावादन के लिए तत्पर तथा श्वेत कमल पुष्प पर आसीन रहती हैं। देवी सरस्वती को 'वाणी की देवी' के नाम से संबोधित किया जाता है तथा 'वागेश्वरी' और हाथों में वीणा होने के कारण इन्हें 'वीणापाणि' नाम भी दिया गया है।

मां सरस्वती के जन्मोत्सव का दिन- बसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती माता की पूजा की प्रथा सदियों दुनिया भर में चली आ रही है। मान्यतानुसार सृष्टि के निर्माण के समय देवी सरस्वती बसंत पंचमी के दिन प्रकट हुई थीं, इसी वजह से बसंत पंचमी को मां सरस्वती के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है तथा उनकी अलग-अलग नामों से भारत और देश-विदेश में पूजा-अर्चना की जाती है।

कलिंग समाचार

संपादकीय

शुक्रवार 23 जनवरी 2026

अमर्त्य सेन को नोटिस

पिछले साल अगस्त में नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर चिंता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी थी कि यदि इस प्रक्रिया को संवेदनशीलता से नहीं संभाला गया तो बड़ी सं या में गरीब और हाशिए पर रहने वाले लोग मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। श्री सेन ने उस नौकरशाही प्रक्रिया की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाया था जो नागरिकों से स त दस्तावेजी साक्ष्य मांगती है, जबकि शायद उनके पास वे दस्तावेज उपलब्ध न हों। उन्होंने कहा था कि प्रशासनिक प्रक्रियाएं और समय-समय पर संशोधन आवश्यक हैं, लेकिन ये मौलिक अधिकारों की कीमत पर नहीं होने चाहिए। अमर्त्य सेन ने कहा था कि कई लोगों के पास दस्तावेज नहीं हैं। कई लोग वोट नहीं दे सकते... अगर हालात को थोड़ा सुधारने के नाम पर कई लोगों को नुकसान पहुंचाया जाता है, तो यह एक गंभीर गलती बन जाती है, सिर्फ एक गलती को सुधारने के लिए सात नयी गलतियां करना जायज नहीं ठहराया जा सकता। एसआईआर पर ऐसी नकारात्मक टिप्पणी पहली बार नहीं हुई थी, देश का विपक्ष लगातार इन्हीं सवालों को उठाते आया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तो बाकायदा वोटर अधिकार यात्रा ही इस मुद्दे पर निकाल दी और साथ ही चुनाव आयोग के सामने वोट चोरी के सबूत भी पेश किए। जिस पर मु य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को हलफनामा दाखिल करने कहा। अमर्त्य सेन से ऐसी कोई मांग नहीं की गई, लेकिन उन्हें प.बंगाल की एसआईआर प्रक्रिया के दौरान नोटिस भेजकर आयोग के सामने पेश होने कहा गया। जी हां, नरेन्द्र मोदी के राज में अब ये भी मुमकिन है कि नोबेल पुरस्कार से स मानित व्यक्ति को नाम की वर्तनी गलत होने के नाम पर चुनाव आयोग नोटिस भेज सकता है। जब एक नोबेल विजेता और विश्व वि यात नागरिक के साथ भारत सरकार का सलूक ऐसा है, तो फिर आम आदमी के लिए वह कितनी हेय दृष्टि रहती है, इसका अंदाज लगाया जा सकता है। प.बंगाल में एसआईआर को लेकर कई किस्म के विवाद सामने आ रहे हैं। सत्तारुढ़ टीएमसी ने दावा किया है कि बूढ़े और बीमार लोगों तक को चुनाव आयोग नोटिस भेजकर परेशान कर रहा है। आरोप है कि कम से कम 70 लोगों की मौत इस प्रक्रिया की वजह से हो चुकी है। ये बेहद गंभीर बात है और सुप्रीम कोर्ट इन मौतों पर स्वत- संज्ञान लेकर नए सिरे से चुनाव आयोग से पूछताछ करेगा ऐसी उ मीद है। बहरहाल, आम लोगों को परेशान करने और अकाल मौतों के आरोपों के बीच एक नया विवाद अमर्त्य सेन को नोटिस जारी करने पर खड़ा हो गया। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इस पर सवाल उठाए तो चुनाव आयोग ने इसे टाइपो की गलती बताया और नोटिस जारी करने वाले बीएलओ को सस्पेंड कर दिया। हालांकि कायदे से इसमें ज्ञानेश कुमार को दो पंक्ति का ही सही लेकिन खेद प्रकट करना चाहिए था। तृणमूल कांग्रेस ने सही कहा कि अमर्त्य सेन को नोटिस जारी करना बंगाल और भारत को वैश्विक पहचान दिलाने वाले एक महान व्यक्तित्व का अपमान है। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अमर्त्य सेन को दिया गया नोटिस दर्शाता है कि कैसे बंगाल में प्रभावशाली आवाजों को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाया जा रहा है। इससे पहले अभिनेता देव और क्रिकेटर मोह मद शमी को भी नोटिस भेजे गए थे। मानो उपलब्धि, ईमानदारी और गरिमा का अब कोई महत्व ही नहीं रह गया हो। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने भारत की बौद्धिक संपदा और मूल्यों को विश्व मंच पर पहुंचाया। आज, उनके कद का एक सार्वजनिक व्यक्ति भी भाजपा नियंत्रित चुनाव आयोग के हाथों अपमानित हो रहा है। ध्यान रहे कि नोबेल पुरस्कार विजेता की दिवंगत माता अमिता सेन, 2002 में बंगाल में हुए एसआईआर (जनगणना) के दौरान मतदाता सूची में थीं। अमर्त्य सेन ने 2014 में बंगाल में मतदाता के रूप में पंजीकरण कराया था और उसी वर्ष लोकसभा चुनाव में मतदान किया था। जब राज्य में एसआईआर प्रक्रिया 4 नवंबर को शुरू हुई, तो सेन के नाम से एक एसआईआर जनगणना प्रपत्र जारी किया गया। उनके चचेरे भाई संताभानु सेन ने भरा हुआ प्रपत्र बीएलओ (राज्य परिवहन अधिकारी) को जमा कर दिया।

बंदूक की नोक पर अमेरिकी राजनयिकता

नन्तू बनर्जी

अमेरिका के वैश्विक संबंधों की विशेषता बहुपक्षीय समझौतों से महत्वपूर्ण दूरी बनाना और वैश्विक कानूनी मानदंडों के लिए %मनमानी उपेक्षा% के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बढ़ते आरोप हैं। राष्ट्रपति ट्रप के नेतृत्व वाला अमेरिका अपनी एकतरफा सैन्य कार्रवाइयों के लिए बढ़ती आलोचना से थोड़ा भी परेशान नहीं लगता, जिसे कई अंतरराष्ट्रीय कानूनी विशेषज्ञों और वैश्विक नेताओं द्वारा अवैध माना जाता है। राज्य-प्रायोजित समुद्री डकैती के क्षेत्र पारंपरिक लाल सागर, ओमान की खाड़ी, सोमाली बेसिन से लेकर काला सागर और अब अटलांटिक तक फैल रहे हैं। अटलांटिक महासागर में ह तों तक पीछा करने के बाद, हाल ही में अमेरिका द्वारा रूसी झंडे वाले तेल टैंकर, मरीनरा, जिसे मूल रूप से बेला-1 के नाम से जाना जाता था, को जब्त करना, खुले समुद्र में समुद्री डकैती का एक कार्य माना जा सकता है। हाल के समय में पहली बार रूसी झंडा वाहक को जब्त करने की अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को वाशिंगटन द्वारा वेनेजुएला के तेल निर्यात को रोकने के प्रयासों के हिस्से के रूप में बताया जा रहा है।

अमेरिकी सुरक्षा बलों ने अटलांटिक महासागर में कई टैंकरों पर चढ़कर उन्हें जब्त कर लिया, जिसमें मरीनरा और गुयाना के झंडे वाला स्किपर भी शामिल था। उन्होंने वेनेजुएला से जुड़े पांच तेल टैंकरों को जब्त कर लिया, जिसमें से एक चीन के लिए था। अमेरिका ने अमेरिकी प्रतिबंध कानूनों के कथित उल्लंघन के लिए संघीय अदालत के वारंट के तहत इन ज़ब्तियों का बचाव किया। उसने वेनेजुएला, चीन और रूस की निंदा को नज़रअंदाज़ कर दिया, जिन्होंने इस कृत्य को %निजी जहाजों की चोरी और अपहरण% और %अंतरराष्ट्रीय समुद्री डकैती का कार्य% कहा। रूस और चीन ने इस कदम को अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के तहत अवैध बताते हुए इसका विरोध किया।

विडंबना यह है कि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय कानून का बहुत कम स मान करता है। राष्ट्रपति ट्रप के तहत, जब बाहरी दुनिया से निपटने की बात आती है, तो अमेरिका आत्म-महिमा की नीति से बहुत अधिक ग्रस्त है। यह दूसरे देश के राष्ट्रपति के आवास पर आधी रात को छापा मार सकता है, दर्जनों सैनिकों और नागरिकों को मार सकता है, उसे बंदी बनाकर अमेरिका ले जा सकता है, उसके सबसे महत्वपूर्ण ईंधन खनिज पर पूर्ण नियंत्रण कर सकता है, उसके निर्यात को रोक सकता है और आयातकों पर समुद्री डकैती के आरोप लगा सकता है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर दूसरे देश पर कब्ज़ा कर सकता है।

ऐसा लगता है कि अमेरिका अपनी सुविधा के अनुसार दूसरे देश से निपटने के लिए अपने कानून और सिद्धांत बनाता और उनका पालन करता है, चाहे वह वेनेजुएला, ग्रीनलैंड, केनडा, पनामा, कोलंबिया या मैक्सिको हो। ऐतिहासिक रूप से, अमेरिकी हस्तक्षेप चुनावी हस्तक्षेप (इटली, फिलीपींस) से लेकर शासन परिवर्तन (ईरान, क्यूबा) और बड़े पैमाने पर संघर्ष (अफगानिस्तान, इराक) तक अपने हितों को सुरक्षित करने के लिए रहे हैं, अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा या लोकतंत्र फैलाने का हवाला देते हुए, लेकिन साम्राज्यवाद के आरोपों की ओर ले जाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डेनमार्क साम्राज्य के भीतर एक स्व-शासित, स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड पर कब्ज़ा करने की अपनी इच्छा के बचाव में एक बेतुका तर्क दे रहे हैं, यह कहते हुए कि इसका मकसद चीन या रूस द्वारा इस रणनीतिक क्षेत्र पर संभावित कब्ज़े को रोकना है।

अमेरिका के वैश्विक संबंधों की विशेषता बहुपक्षीय समझौतों से महत्वपूर्ण दूरी बनाना और वैश्विक कानूनी मानदंडों के लिए %मनमानी उपेक्षा% के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बढ़ते आरोप हैं। राष्ट्रपति ट्रप के नेतृत्व वाला अमेरिका अपनी एकतरफा सैन्य कार्रवाइयों के लिए बढ़ती आलोचना से थोड़ा भी परेशान नहीं लगता, जिसे कई अंतरराष्ट्रीय कानूनी विशेषज्ञों और वैश्विक नेताओं द्वारा अवैध माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस और अन्य अधिकारियों ने कहा कि ये कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून या संयुक्त राष्ट्र चार्टर का स मान नहीं करती हैं, जो किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ सैन्य बल के खतरे या उपयोग पर रोक लगाता है। राष्ट्रपति ट्रप कहते हैं कि उन्हें %अंतरराष्ट्रीय कानून की आवश्यकता नहीं है और अपनी नीतियों का मार्गदर्शन करने के लिए वे इसके बजाय %अपनी नैतिकता% पर भरोसा करते हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनके कार्यों को कुछ लोग साम्राज्यवाद के युग में वापसी के रूप में वर्णित करते हैं। पिछले साल, अमेरिका ने कथित तौर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अनुमति के बिना ईरान, इराक, सोमालिया और यमन सहित सात देशों में बमबारी की, जिसका वह एक महत्वपूर्ण सदस्य है। वैश्विक व्यापार, वाणिज्य, रक्षा और कूटनीति से संबंधित अपनी एकतरफा कार्रवाइयों के लिए स्पष्टीकरण से बचने के लिए, ट्रप के अमेरिका ने कई अंतरराष्ट्रीय संधियों और संगठनों से हटने का फैसला किया है। सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं की व्यवस्थित समीक्षा के बाद, अमेरिका ने इस साल 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संधियों से बड़े पैमाने पर हटना शुरू कर दिया, जिसमें जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन और पेरिस समझौता, संयुक्त राष्ट्र जनसं या कोष, व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र स मेलन (अंकटाड), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) शामिल हैं, जो शिक्षा, कला, विज्ञान और संस्कृति में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से विश्व शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अत्यधिक विशिष्ट संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है। अमेरिका एक नई विश्व व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए बहुपक्षवाद के बजाय द्विपक्षीयवाद को प्राथमिकता देता है। वह इस कहावत में दृढ़ विश्वास रखता है कि आत्मनिर्भरता सबसे अच्छी मदद है और अमेरिकी सेना को दुनिया की सबसे घातक युद्ध शक्ति बनाने की योजना बना रहा है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस और अन्य अधिकारियों ने कहा कि ये कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून या संयुक्त राष्ट्र चार्टर का स मान नहीं करती हैं, जो किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ सैन्य बल के खतरे या उपयोग पर रोक लगाता है। राष्ट्रपति ट्रप कहते हैं कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून की आवश्यकता नहीं है और अपनी नीतियों का मार्गदर्शन करने के लिए वे इसके बजाय अपनी नैतिकता पर भरोसा करते हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनके कार्यों को कुछ लोग साम्राज्यवाद के युग में वापसी के रूप में वर्णित करते हैं।

राष्ट्रपति ट्रप ने पहले ही अगले साल अमेरिकी सैन्य खर्च में 50 प्रतिशत की भारी वृद्धि का आह्वान किया है। उन्होंने 2027 में अमेरिकी रक्षा बजट को 50 प्रतिशत से ज़्यादा बढ़ाकर 1.5 ट्रिलियन डालर करने का प्रस्ताव दिया है, जिसे उन्होंने %ये बहुत मुश्किल और खतरनाक समय% बताया। देश का मौजूदा साल का मिलिटरी बजट 901 अरब डालर है, जिसे पिछले साल अमेरिकी कांग्रेस ने मंजूरी दी थी। ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में सोशल मीडिया पर कहा, %इससे हम वह %ड्रीम मिलिटरी% बना पाएंगे जिसके हम लंबे समय से हकदार हैं और, इससे भी ज़रूरी बात, जो हमें दुश्मन की परवाह किए बिना सुरक्षित रखेगी।% प्रमुख रक्षा ठेकेदारों द्वारा समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए, उन्होंने कहा कि वह प्रमुख अमेरिकी रक्षा ठेकेदारों के मालिकों और शेयरधारकों को किए जाने वाले भुगतानों पर स ती करेंगे, जब तक कि कंपनियां हथियारों की डिलीवरी में तेज़ी नहीं लातीं और नए मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र नहीं बनातीं। बंदूक की नोक पर अमेरिकी राजनयिकता (गनबोट डिप्लोमेसी) दुनिया की व्यवस्था को बदलने की धमकी दे रही है, जिससे संसाधन संपन्न देशों को व्यापार, अर्थव्यवस्था और संप्रभुता पर संभावित बाहरी हमलों का सामना करने के लिए तैयार रहने के लिए रक्षा और घरेलू मैन्युफैक्चरिंग पर ज़्यादा से ज़्यादा खर्च करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मजबूत नौसैनिक बल का इस्तेमाल करके राज्य-प्रायोजित समुद्री डकैती और हमलावर द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के आधार पर दूसरे देश में शासन परिवर्तन को मजबूर करना आम बात हो सकती है। ट्रंप ने कोलंबिया, मैक्सिको, क्यूबा, ग्रीनलैंड- और डेनमार्क- को यह साफ कर दिया है कि उन्हें इस बात को लेकर घबराना चाहिए कि उनकी भूख उन्हें आगे कहां ले जाएगी। अमेरिका ने पहले ही ईरान में सैन्य हस्तक्षेप का सुझाव देकर तनाव बढ़ा दिया है, अगर अली हुसैनी खमेनी शासन सार्वजनिक प्रदर्शनों को हिंसक रूप से दबाना जारी रखता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने %मेरी अपनी नैतिकता% द्वारा नियंत्रित शक्ति का एक दृष्टिकोण पेश किया है। यह खासकर दुनिया की चार अन्य सैन्य-आर्थिक शक्तियों, यानी चीन, रूस, भारत और दक्षिण कोरिया के लिए समय रहते जाग जाने की एक चेतावनी है।

आने वाले विधान सभा चुनाव-शंख बजा नहीं, महाभारत चालू

अरविन्द मोहन

अन्य राज्यों के मुकाबले पश्चिम बंगाल में यह सबसे ज्यादा दिखाई दे रही है क्योंकि भाजपा इसे जीतने के लिए काफी बेचैन है। दो लोकसभा और दो विधान सभाओं में तृणमूल कांग्रेस को मु य टक्कर देने के बाद उसे लग रहा है कि 15 साल के ममता राज से लोगों की जो नाराजगी बढ़ी है उसका लाभ लेकर वह इस बार बंगाल का किला फतह कर सकती है। जीहां। पांच विधानसभा चुनावों को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा होने में देर है लेकिन चुनाव के अखाड़े के पहलवान पहले से गुत्थमगुत्था होने लगे है। ऐसा हो तो रहा है सभी जगह लेकिन बंगाल की लड़ाई तो सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गई है और उसका स्तर इतना नीचा हो गया है कि आप किसी एक पक्ष को इस गिरावट के लिए दोषी नहीं मान सकते। बल्कि इस स्तर को देखकर डर लगता है कि चुनाव पूरा होने तक मामला कहां पहुंचेगा। चुनाव अप्रैल और मई से पहले हो जाएंगे।

असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी के लिए चुनाव मार्च/अप्रैल में होंगे तो तमिलनाडु और केरल विधान सभाओं के लिए अप्रैल/मई में और निश्चित रूप से चुनाव का ज्यादा शोर मचाने की वजह खास शैली से चुनाव लड़ने वाली भाजपा का मैदान में होना और प्रमुख खिलाड़ी रहना है। बंगाल में भी ईडी जब कोयला घोटाले की जांच का नाम लेकर सीधे तृणमूल की सलाहकार कंपनी के द तर से फाइलें उठाने लगी तो पुलिस बल सहित आकार खुद ममता बनर्जी ने वे फाइलें छीन लीं। अब कौन गलत कौन सही? की लड़ाई सड़क पर और सुप्रीम कोर्ट में चलने लगी है। चुनाव के पहले उसका निपटारा भी संभव नहीं लगता।

अभी की स्थिति में भाजपा एक राज्य में शासन में है और दूसरे में काफी पिछड़कर मु य विपक्ष है पर एक राज्य, पुडुचेरी में उसने जिस तरह बिना एक भी विधायक जिताए सरकार बना लिया वह उसकी राजनैतिक लड़ाई लड़ने का तरीका है।

अगर अभी के चुनाव को लेकर अभी से गरमाहट आ गई है तो यह भाजपा के चुनाव लड़ने का तरीका है जो नगरपालिका चुनाव तक को नरेंद्र मोदी और अमित शाह की प्रतिष्ठा से जोड़ देती है। मुश्किल यह है कि तीन अन्य राज्यों में वह कमजोर है तो बंगाल में ममता बनर्जी भी लड़ाई को ऑल आऊट तरीके से ही लड़ती हैं और इसे किसी दोष की तरह देखने की जरूरत नहीं है। आज भाजपा का जो एकछत्र राज बना है, अन्य दलों से वह जिस तरह आगे निकली है उसमें उसके चुनाव लड़ने के तरीके, साधनों की भरभार और साल के 365 दिन की तैयारी का बड़ा हाथ है।

अन्य राज्यों के मुकाबले पश्चिम बंगाल में यह सबसे ज्यादा दिखाई दे रही है क्योंकि भाजपा इसे जीतने के लिए काफी बेचैन है। दो लोकसभा और दो विधान सभाओं में तृणमूल कांग्रेस को मु य टक्कर देने के बाद उसे लग रहा है कि 15 साल के ममता राज से लोगों की जो नाराजगी बढ़ी है उसका लाभ लेकर वह इस बार बंगाल का किला फतह कर सकती है पर उसकी मुश्किल यह है कि उसके पक्ष में 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से जो उभार आने लगा था वह उतार पर आता दिखने लगा है। उसका वोट प्रतिशत गिरा है और तृणमूल का बढ़ा है साथ ही उसके सांसद और विधायक भी कम चुने गए हैं। दल-बदल में भी अब मौकापरस्त या किसी दबाव में उसकी तरफ आने वालों की र तार कम हुई है। यह स्थिति बंगाली समाज के भद्रलोक द्वारा उसके तौर-तरीकों को नापसंद करने से जुड़ी है। इसके साथ ही वहां का लगभग एक चौथाई मुसलमान मतदाता भी अब पूरी तरह तृणमूल के साथ आ गए हैं। पहले कांग्रेस और वाम दलों को भी यह वोट मिलता था। भाजपा ने एक बार हिन्दू-मुसलमान ध्रुवीकरण तो दोबारा नामशूद्रों की गोलबंदी करके सफलता पानी चाही जो आंशिक रूप में ही सफल हुई। बंगाल में समाजसुधार आंदोलनों के चलते जाति की गोलबंदी कम है और समाज पर प्रभावी भद्रलोक में भाजपा की घुसपैठ नहीं है। भाजपा की मुश्किल कांग्रेस और वाम दलों के एकदम पस्त होने से भी बढ़ी है जिनका वोट उसकी तरफ आने के ज्यादा तृणमूल की तरफ गया है।

असम में भी भाजपा की परेशानी दस साल शासन करने और नागरिकता या घुसपैठ जैसे किसी मुद्दे पर ज्यादा कुछ न कर पाने से जुड़ी है। कांग्रेस ने प्रियंका गांधी को असम का चार्ज देकर लड़ाई को और दिलचस्प बना दिया है। कांग्रेस ने जब से मौलाना बदरुद्दीन वाली मुसलमानों की पार्टी से रिश्ता तोड़ा है उसे मुसलमानों का भरपूर वोट तो मिला ही है, भाजपा के लिए उस पर हमला करना और चुनाव को हिंदू-मुसलमान बनाना मुश्किल हुआ है।

इस बार भाजपा को ज्यादा परेशानी अहोम सरवानंद सोनेवाल को हटाकर पंडित हेमंत बिस्वा सरमा को मु यमंत्री बनाने से भी जुड़ी है। सरमा प्रशासनिक रूप से कुशल हैं पर असमी समाज में शासक रहे अहोम समाज को सत्ता जाने का मलाल है। असम में बहुत किस्म की अस्मिताएं/पहचान काम करते हैं लेकिन नागरिकता, सीएए, पॉपुलेशन रजिस्टर, जनगणना और गहन मतदाता सर्वेक्षण जैसे किसी भी सवाल पर स्पष्ट फैसला न लेना और कोई नतीजा न देना भाजपा को परेशान करेगा। जिस तरह भाजपा चुनाव लड़ती है वैसा और कोई नहीं लड़ता यह सच्चाई भी याद रखनी होगी।

तमिलनाडु के चुनाव में भाजपा ही नहीं पूरा विपक्ष अभी पहले से कमजोर लग रहा है। अन्नाद्रमुक में टूट और भाजपा का उससे छिटकना ही नहीं हुआ है भाजपा वन्नीयारों वाली पार्टी पीएमके का दो फाड़ होने के बाद अंबुमणि धड़े के साथ हाथ मिलाने और अभिनेता विजयकान्त की गवांडीयरों वाली पार्टी को साथ लेने के लिए प्रयास कर रही है। अन्नाद्रमुक से निकले थेवर नेता पन्नीरसेलवम और दिनकरण भी अभी ठिकाना नहीं पा सके हैं। कभी विजयकांत को साथ लेकर कांग्रेस तीसरा मोर्चा बनाना चाहती है कभी द्रमुक सरकार में मंत्री पद। उधर द्रमुक, कांग्रेस और वाम दलों का गठबंधन हर तरह से मजबूत और एकजुट दिख रहा है। लोकसभा चुनाव के नतीजे बता रहे हैं कि विपक्षी गठजोड़ बन भी जाए तो एम स्टालिन को हराने लायक दम जुटाना मुमकिन नहीं है। केरल को लेकर भाजपा जरूर इस बार उत्साहित है हालांकि वहां भी लोक सभा चुनाव में वह शून्य पर ही आ गई थी। लेकिन उसे ठीक ठाक वोट मिले हैं और अभी त्रिवेंद्रम की स्थानीत सरकार पर उसके कब्जे से उसका उत्साह बढ़ा है। बहुत साफ जातिगत और सांप्रदायिक गोलबंदी वाले केरल समाज में भाजपा कुल मिलाकर हिन्दू नायरों और कुछ असंबद्ध युवकों को ही आकर्षित कर पाई है और यह वोट जितना बढ़ेगा दस साल से शासन कर रही वाम मोर्चा सरकार की परेशानियां बढ़ेंगी क्योंकि भाजपा के लिए ईसाई और मुसलमान वोट पाना संभव नहीं है। यह स्थिति कांग्रेस के लिए अच्छी बन जाती है जिसके पास ज्यादा कुछ नहीं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के यहां से चुनाव लड़ने के चलते आया उत्साह भर है। ज़्यादा जानें डिजिटल मार्केटिंग सेवाएँ बॉलीवुड समाचार हिंदी समाचार ऐप सदस्यता प्रादेशिक समाचार साक्षात्कार कौशल प्रशिक्षण ई-पेपर खेल समाचार विविध समाचार ब्रेकिंग न्यूज़ ऑनलाइन विज्ञापन सेवाएँ बीस लाख से कम आबादी वाले पुडुचेरी की आबादी का संतुलन बहुत नाजुक है और जिस तरह पिछली बार भाजपा ने वहां मनोनयन वाले तीन विधायकों और राज्यपाल के सहारे सरकार बना ली उससे नाराजगी है। इसलिए विधानसभा के सभी पांच राज्यों में भाजपा के लिए बहुत उत्साह वाली कोई चीज नहीं दिखती लेकिन ऐसी स्थिति बनाना और जश्न मनाना उसे आता है।

विविध समाचार

पंजाब पुलिस की नशे के खिलाफ निर्णायक जंग

चंडीगढ २२/०१ (संवाददाता): पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोमवार को कहा कि पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है और कई मामलों में तस्करों की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर भी चलाए गए हैं। डीजीपी गौरव यादव ने चंडीगढ़ के सेक्टर 9 स्थित पंजाब पुलिस मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए नशे के खिलाफ चल रही मुहिम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए राज्य सरकार और पुलिस ने एक व्यापक रणनीति तैयार की है, जिसके तहत 31 मई तक नशे के खिलाफ अभियान को और तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान खुद इस अभियान की निगरानी कर रहे हैं और उच्च स्तरीय बैठकों में इसकी समीक्षा की जा रही है।

तस्करों की संपत्ति जब्त करने के साथ ही अवैध संपत्तियों पर भी बुलडोजर चलाया जा रहा है। नशे के आदी लोगों को नशा मुक्ति केंद्रों में भेजा जा रहा है और उनके पुनर्वास के लिए काम किया जा रहा है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि पंजाब पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। अब तक नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में 90 प्रतिशत सजा दर हासिल की गई है, जो देश में सबसे अधिक है। इस साल 1 मार्च से अब तक 4,600 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें 7,414 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने 297 किलोग्राम हेरोइन, नशीली दवाओं के 21,770 कैप्सूल और आठ लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। इसके अलावा, 908 कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) चलाए गए हैं, जिनमें 73 भगोड़े अपराधियों (पीओ) और 659 अन्य संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब पुलिस ने नशा तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए हवाला रैकेट पर भी नकेल कसी है। डीजीपी ने बताया कि 31 हवाला ऑपरेटरों को गिरफ्तार किया गया और आठ लाख रुपए से अधिक की हवाला राशि बरामद की गई। धारा 64 एनडीपीएस अधिनियम का प्रभावी उपयोग करते हुए छोटे स्तर पर नशा उपयोग करने वालों को जांच के लिए भेजा जा रहा है, जबकि बड़े तस्करों की अवैध संपत्तियों को जब्त किया जा रहा है। कई मामलों में तस्करों की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर भी चलाया गया है। डीजीपी गौरव यादव ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पंजाब के माहौल को खराब करने की साजिशों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, "पंजाब का माहौल खराब करने की अंतर्राष्ट्रीय कोशिश चल रही है। सरकार उनके मॉड्यूल को ध्वस्त कर इसका मुंहतोड़ जवाब दे रही है। पहलगाम की घटना के बाद पंजाब पुलिस भी लगातार बीएसएफ के संपर्क में है। पंजाब पुलिस ने सीमावर्ती जिलों में अपनी मौजूदगी भी बढ़ा दी है।" उन्होंने कहा कि पाकिस्तान छद्म युद्ध छेड़ रहा है और पंजाब में नशे के जरिए अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहा है। पंजाब पुलिस और सरकार इस साजिश का मुंहतोड़ जवाब दे रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन के जरिए नशा तस्करी की जांच के लिए सितंबर से विशेष अभियान शुरू किया जाएगा। नशे की लत से जूझ रहे लोगों के पुनर्वास पर जोर देते हुए डीजीपी ने कहा कि नशा मुक्ति केंद्रों में ऐसे लोगों को भेजा जा रहा है और उनके लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। सुरक्षित पंजाब हेल्पलाइन के जरिए मिलने वाली सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का ध्यान हार्ड ड्रग्स, खासकर हेरोइन पर है।

बैंक की नौकरी छोड़कर 50 लाख की ऑडी से दूध बेच रहा युवक, बताई ये खास बात

फरीदाबाद २२/०१ (संवाददाता): हरियाणा के फरीदाबाद में 33 वर्षीय अमित भडाना अपनी 50 लाख रुपये की ऑडी कार से दूध की सप्लाई कर सुर्खियां बटोर रहे हैं। मोहताबाद गांव के रहने वाले अमित रोजाना 120 लीटर दूध फरीदाबाद की कॉलोनियों में पहुंचाते हैं। इसके लिए वे करीब 60 किलोमीटर गाड़ी चलाते हैं और 400 रुपये का पेट्रोल खर्च करते हैं। अमित अपनी कमाई का खुलासा नहीं करते, लेकिन कहते हैं कि महंगी गाड़ियां चलाना उनका जुनून है। इस शौक को पूरा करने के लिए उन्होंने बैंक की नौकरी तक छोड़ दी और पिता के दूध के कारोबार में कदम रखा। डेयरी कारोबारी अमित ने हाल ही में ऑडी ए 3 कैब्रियोलेट खरीदी है। इससे पहले वे 8 लाख रुपये की हार्ले डेविडसन बाइक से दूध की सप्लाई करते थे। अमित बताते हैं, " गर्मी बढ़ गई है। बाइक से दूध ले जाना मुश्किल था, इसलिए मैंने यह कार खरीदी।" उन्होंने बीकॉम तक पढ़ाई की और सात साल तक एचडीएफसी बैंक में मैनेजर के पद पर काम किया। कोरोना काल में उन्होंने बैंक जाना बंद कर दिया और अपने भाई के साथ दूध ा की सप्लाई में मदद शुरू की। परिवार के इस कारोबार में हाथ बंटा कर अमित खुश हैं, आगे कहते हैं, "मुझे इस काम में मजा आने लगा। 2021 में मैंने नौकरी छोड़कर भाई के साथ दूध का कारोबार पूरी तरह संभाल लिया।" अब वे अकेले 120 लीटर दूध की सप्लाई करते हैं। उनके गोशाला में 32 गायें और 6 भैंसें हैं। पूरा भडाना परिवार दूध ा के कारोबार को बढ़ा रहा है। अमित के पिता आर्मी से रिटायर्ड हैं और गांव में खेतीबाड़ी संभालते हैं। उनकी मां विजनवती गृहिणी हैं। दो भाई हैं– ललित दूध की सप्लाई करता है, जबकि राज सिंह इवेंट मैनेजर है। अमित की दो बेटियां हैं। पिता ने अपने बेटे के शौक के बारे में बताया। कहा, "अमित बचपन से गाड़ियों और बाइक का शौकीन रहा है। उसने अपनी कमाई से यह कार खरीदी। वह मेहनत करता है और अपने शौक भी पूरे करता है।" दूध ा का कारोबार न केवल अमित की आजीविका है, बल्कि उन्हें अपने शौक को जीने का मौका भी देता है।

सीईटी का फर्जी पोर्टल बनाने का मामला : महिला समेत पांच गिरफ्तार

फतेहाबाद २२/०१ (संवाददाता): हरियाणा में कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) के रजिस्ट्रेशन का फर्जी पोर्टल बनाने के आरोप में महिला समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पंचकुला पुलिस ने ये गिरफ्तारियां की हैं। इनमें तीन आरोपी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर और दो आरोपी कुरुक्षेत्र और फतेहाबाद के निवासी हैं। इनमें एक महिला भी शामिल है। शुक्रवार को हरियाणा स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (एचएसएससी) के सदस्य भूपेंद्र चौहान ने बताया कि चार जून को फर्जी पोर्टल बनाने की सूचना मिली थी, जिस पर साइबर थाने में मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर जो ओआर कोड था, वह बंद कर दिया गया है। साथ ही उस बैंक अकाउंट को भी फ्रीज कर दिया गया है, जिसमें पैसा जा रहा था और अब कोई उसमें से पैसे नहीं निकलवा पायेगा। पुलिस उपाधीक्षक सृष्टि गुप्ता ने बताया कि आरोपियों की उम्र 25 से 40 वर्ष के बीच है। ठगों ने 29 मई को सीईटी का फर्जी पोर्टल बनाया था। पोर्टल पर छात्रों से कुछ जरूरी जानकारी लेकर फीस जमा करवाई और रजिस्ट्रेशन दिखा दिया। इन्होंने 77 लोगों से 22 हजार रुपये ठगे।

विद्यार्थियों को मेवात छात्र प्रतिभा सम्मान योजना के रूप में दी जाएगी राशि : सैनी

चंडीगढ़ २२/०१ (संवाददाता): हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शुक्रवार को कहा कि मेवात क्षेत्र में बच्चों के शिक्षा स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से अब 10वीं व 12वीं कक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले सामान्य व अन्य वर्ग के विद्यार्थियों को 51 हजार रुपए प्रति छात्र तथा अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को एक लाख 11 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि मुख्यमंत्री मेवात छात्र प्रतिभा सम्मान योजना के रूप में दिए जाएंगे। सैनी ने आज मेवात विकास बोर्ड की 31वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मेवात क्षेत्र के विकास को लेकर अनेक कल्याणकारी योजनाओं पर मोहर लगाई। बैठक में पहुंचने पर मेवात विकास बोर्ड के चेयरमैन एवं गुरूग्राम मंडल आयुक्त रमेश चंद्र बिढ़ान ने मुख्यमंत्री सहित अन्य गणमान्यों का स्वागत किया। जिला प्रशासन की ओर से डीसी विश्राम मीणा ने बैठक में बिंदूवार एजेंडे रखते हुए मुख्यमंत्री के समक्ष रिपोर्ट रखी। मुख्यमंत्री ने शनिवार को मनाए जाने वाले ईद पर्व की सभी प्रदेशवासियों को अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज मेवात क्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ विकासात्मक स्वरूप में हर क्षेत्र में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नूंह जिला को आकांक्षी योजना में शामिल करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए केंद्रीय सहयोग देने की सार्थक पहल की। 2018 में आकांक्षी जिला कार्यक्रम की शुरूआत हुई थी जिसमें देश के 112 अपेक्षाकृत पिछड़े व दूरदराज के जिलों में नूंह को शामिल किया गया था, तब नूंह जिला 108वें स्थान पर था किंतु केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा निरंतर मेवात क्षेत्र पर किए गए फोकस का परिणाम है कि आज के दिन नूंह जिला आकांक्षी जिलों में 20वें पायदान पर है जोकि

क्षेत्र के विकासात्मक स्वरूप का साक्षात उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मेवात क्षेत्र निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, कृषि एवं जल संसाधन के साथ ही वित्तीय सामवेशन व कौशल विकास के साथ नूंह जिला का बुनियादी ढांचा मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्णय लिया कि मेवात क्षेत्र में चल रहे राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल का संचालन शिक्षा विभाग के तत्वावधान में चल रहा है किंतु अब उनका सुपरविजन मेवात विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव आकेरा में यूनानी मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए नए टेंडर प्रक्रिया करते हुए जल्द निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि फिरोजपुर झिरका में मेवात मॉडल कॉलेज का निर्माण कार्य भी जल्द शुरू कराया जाएगा। वहीं गांव छपेड़ा में ड्राइविंग प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के भवन निर्माण प्रक्रिया इसी साल अक्टूबर से शुरू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि मेवात में शहीद हसन खां मेवाती के नाम से संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा। नूंह जिला मुख्यालय पर 13.50 करोड़ रुपए की लागत से खेल परिसर का निर्माण कार्य करने को बैठक में मंजूरी दी गई है। वहीं नूंह में आडिटॉरियम का निर्माण करने, तावडू ब्लॉक में स्वयं सहायता समूह की स्वयंसेविका महिलाओं के लिए हुनर हाट की स्थापना करने, मेवात मॉडल स्कूल फिरोजपुर झिरका में बालिका छात्रावासों में 2 ट्रांजिट छात्रावास की स्थापना करने की मंजूरी दी।

कहीं विनाश का कारण ना बन जाएं हीट रिस्क का फैलाव

चंडीगढ़ २२/०१ (संवाददाता): जलवायु परिवर्तन की दुश्वारियों में से एक देश और दुनिया के देशों में हीट रिस्क के व्यापक प्रभाव से आसानी से समझा जा सकता है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 2011 से 2022 के दशक के अध्ययन के अनुसार देश में हीट रिस्क का दायरा बहुत अधिक बढ़ गया है। मजे की बात यह है कि अब दिन की तुलना में रातें भी अधिक गर्म होने लगी है। इसका एक बड़ा कारण आज की भवन निर्माण विधि और शहरों में कंक्रिट का जंगल विकसित होना और अन्य के साथ ही इलेक्ट्रोनिक उत्पाद खासतौर से अत्यधिक उर्जा खपत वाले फ्रीज और कूलर की जगह लेते एयरकण्डीशनर भी एक है। घटते जंगल और आबादी का दबाव भी एक बड़ा कारण है। ऊर्जा के रुप में जो संसाधान उपयोग किये जा रहे है वे भी जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारक बन रहे हैं। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरमेंट एण्ड वॉटर सीईईडब्ल्यू की हालिया रिपोर्ट अत्यधिक चिंतनीय और हालात की गंभीरता को दर्षाती है। रिपोर्ट की माने तो देश की तीन चौथाई आबादी आज हीट रिस्क की जद में आ चुकी है। देश के 734 जिलों में से 417 जिले तो अत्यधिक जोखिम वाले जिलों में शुमार हो चुके हैं। कम जोखिम वाले जिलों मे तो केवल और केवल 116 जिले ही रह गये हैं। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि वैसे तो हीट रिस्क के दायरें में नोर्थ ईस्ट और उत्तरी भारत के नाममात्र के क्षेत्र को छोड़ दिया जाये तो समूचा देश आज हीट रिस्क के दायरें में आ चुका है। देश के 10 जिले राजस्थान, दिल्ली, आन्ध्र प्रदेश, केरल, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तरप्रदेश हीट रिस्क की अत्यधिक जद में आये प्रदेश व केन्दशासित राज्य है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश में ही हीट रिस्क का दायरा बढ़ रहा है। अपितु अब यह वैश्विक समस्या हो चुकी है। दुनिया के देशों में तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। तेज गर्मी की तपन से हालात दिन प्रतिदिन बिगड़ते जा रहे हैं। जंगलों में दावानल और बैमौसम आंदि तूफान, सूखा या बाढ़ ऐसी समस्यायें आने लगी है जिससे साल दर साल अब अधिक दोचार होना पड़ रहा है। अमेरिक का फर्नेस क्रीक सबसे अधिक गर्म स्थान है तो ट्यूनिशिया का केबिली, कुवैत का मित्रिबाह, ईरान का अहबाज और लुट रेगिस्तान, चीन का फ्लेमिंग आदि स्थान ऐसे है जो सर्वाधिक गर्मी वाले स्थान है। इसके साथ ही मौसम के मिजाज में भी बदलाव आया है। सर्दी में गर्मी और गर्मी में सर्द रात जैसे व असमय आंधी बरसात आम होती जा रही है। गर्मी के दिन बढ़े है। फरवरी तक अब अपनी परंपरागत मौसम का दायरा छोड़ते हुए अत्यधिक गर्मी वाले महीनों में से एक होने लगा है। आखिर यह मौसम का बदलाव भावी संकट की और साफ साफ इशारा कर रहा है। समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है। ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। समुद्र किनारे के शहरों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। अब डूबने का ड़र सताने लगा है। अमेरिका ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के जंगलों में जिस तेजी से आग की घटनाएं बढ़ रही है वह अपने आप में अलग चुनौती होती जा रही है।

बीमारियों का असर बढ़ रहा है। हालात गंभीर होते जा रहे हैं। हीट रिस्क के बढ़ते दायरे को देखते हुए आज हीट एक्शन प्लान बनाये जाने लगे हैं। हांलाकि कि यदि केवल सामान्य नागरिकों के बढ़ती गर्मी के कारण होने वाले प्रभाव पर ही बात की जाए तो गर्मी बीमारियों का प्रमुख कारण बनती जा रही है। कई मिलियन मौतों का कारण हीट वेव है। निर्जलीकरण तो एक प्रमुख कारण है ही इसके साथ ही कार्डियोरेस्पिरेटरी के मामलें आम होते जा रहे हैं। अनिद्रा, तनाव, श्वासं लेने में परेशानी, दस्त, पेट दर्द, फूड पोइजनिंग और तापघात आदि बीमारियों का प्रकोप लूताप के कारण दुनिया के देशों में बढ़ता जा रहा है। जिस तेजी से हीट रिस्क का विस्तार होता जा रहा है उससे आने वाले समय में और अधिक गंभीर हालातों का सामना करना पड़ेगा। किसी समय भारतीय परंपरा के अनुसार नौतपा ऐसा समय होता था जब सबसे अधिक गर्मी पड़ती थी। यह भी माना जाता था कि जितना अधिक नौतपा प्रभावी रहेगा उतना ही अच्छी बरसात होगी।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार

मोहन माझी ने कालाहांडी में बड़ी परियोजनाओं की शुरुआत की

कालाहांडी २२/०१ (संवाददाता):ओडिशा सरकार ने कालाहांडी जिले में एक बड़ा विकास अभियान शुरू किया, जिसमें मुज़्यमंत्री मोहन चरण माझी ने 891.39 करोड़ रुपये की 3,612 परियोजनाओं का उद्घाटन किया और आधारशिला रखी।

इन परियोजनाओं का अनावरण कालाहांडी उत्सव घुमुरा-2026 के समापन दिवस पर किया गया, जहाँ मुज़्यमंत्री मुज़्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अधिकारियों ने बताया कि ये परियोजनाएँ कई क्षेत्रों में फैली हुई हैं और इनका उद्देश्य पूरे जिले में बुनियादी ढाँचे के विकास में तेज़ी लाना और सार्वजनिक सुविधाओं में सुधार करना है।

यह पहल राज्य सरकार की संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, खासकर पश्चिमी ओडिशा में।

धार्मिक यात्रा और सांस्कृतिक समारोह आधिकारिक कार्यक्रम से पहले, मुज़्यमंत्री माझी ने कालाहांडी की अधिष्ठात्री देवी माँ मानिकेश्वरी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। बाद में, उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में कालाहांडी उत्सव घुमुरा-2026 के समापन समारोह में भाग लिया। सांस्कृतिक समारोहों के हिस्से के रूप में, पहली बार कालाहांडी की कला, संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित करने वाला एक ड्रोन शो आयोजित किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संज़्या में लोग आए और इसने जिले की समृद्ध परंपराओं को उजागर किया।

प्रमुख सिंचाई और बांध परियोजनाओं की घोषणा शहीद रेंडो माझी मंच पर सभा को संबोधित करते हुए, मुज़्यमंत्री ने कालाहांडी के लिए रावल उतेई सिंचाई परियोजना की घोषणा की, जिसे अनुमानित 3,325 करोड़ रुपये की लागत से लागू किया जाएगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि निकट भविष्य में बेलगाँव के पास तेल नदी पर 505.98 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक बांध बनाया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए, मुज़्यमंत्री मोहन माझी ने कहा कि इस कार्यक्रम के दौरान लगभग 950 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, और कहा कि कालाहांडी के विकास के लिए कुल 1,600 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि 3,350 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत वाली रावल उतेई परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है और केंद्रीय जल आयोग द्वारा अनुमोदित कर दी गई है। सिंचाई और आर्थिक विकास को बढ़ावा अधिकारियों ने कहा कि इन परियोजनाओं के शुभारंभ और प्रमुख घोषणाओं से कालाहांडी जिले में सिंचाई क्षमता में काफी वृद्धि होने, बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने और समग्र आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उज़्मीद है, जिससे किसानों और निवासियों दोनों को फायदा होगा।

बोलानी अयस्क खदानों ने सुरक्षा और परिचालन विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए उन्नत फेल-सेफ ब्रेकिंग तकनीकी अपनाई

राउरकेला २२/०१ (संवाददाता): सेल की बोलानी अयस्क खदानों (बीओएम) ने डाउनहिल कन्वेयर पीसी-8 पर एक उन्नत फेल-सेफ डिस्क ब्रेकिंग सिस्टम सफलतापूर्वक स्थापित और चालू किया है, जिससे कन्वेयर सिस्टम की सुरक्षा, विश्वसनीयता और ऑपरेशनल कंट्रोल में काफी सुधार हुआ है।

यह ध्यान देने योग्य है कि ब्रेकिंग सिस्टम डाउनहिल कन्वेयर का एक महत्वपूर्ण सुरक्षा घटक है। पहले, बोलानी ओर्स माइंस में डाउनहिल कन्वेयर पीसी-8 को मौजूदा थ्रस्टर ब्रेकिंग सिस्टम के साथ सीमाओं का सामना करना पड़ता था, खासकर लोड की स्थिति में और बिजली फेल होने की स्थितियों में, जिससे अधिक विश्वसनीय ब्रेकिंग समाधान की आवश्यकता महसूस हुई।

इस सीमा को दूर करने के लिए, बोलानी ओर्स माइंस की टीम ने मौजूदा थ्रस्टर ब्रेक को सप्लीमेंट करने के लिए एक डिस्क ब्रेकिंग सिस्टम लगाने की योजना बनाई। डिस्क ब्रेक को ड्राइव पुली के कम गति वाले सिरे पर लगाया गया था, जिसके लिए एक संशोधित ड्राइव ड्रम को एक विस्तारित शाज़्ट के साथ विशेष रूप से खरीदा गया था।

इसके बाद ब्रेकिंग सिस्टम को स्रोत किया गया और सिस्टम को सफलतापूर्वक स्थापित और चालू किया गया। यह सिस्टम नॉर्मल और इमरजेंसी दोनों स्थितियों में ब्रेकिंग विश्वसनीयता, परिचालन स्थिरता और परिचालन आत्मविश्वास में काफी सुधार दिखा रहा है।

फेल-सेफ सिद्धांत पर काम करते हुए, डिस्क ब्रेकिंग सिस्टम पावर फेल होने या सिस्टम में खराबी के दौरान ऑटोमैटिक ब्रेक लगने को सुनिश्चित करता है, जिससे ब्रेकिंग प्रभावशीलता और सुरक्षा में काफी सुधार होता है।

यह उल्लेखनीय है कि इस डिस्क ब्रेकिंग सिस्टम को पहली बार सेल खानों में लागू किया गया है, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और सेल खनन संचालन में डाउनहिल कन्वेयर सिस्टम में बेहतर सुरक्षा, विश्वसनीयता और उन्नत ब्रेकिंग तकनीक को अपनाने के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करता है।

मवेशी तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, 300 से ज़्यादा मवेशी बचाए गए

मयूरभंज २२/०१ (संवाददाता): उज़्री ओडिशा में चल रहे कथित मवेशी तस्करी नेटवर्क पर कार्रवाई तेज़ हो गई है, पुलिस ने मयूरभंज से पश्चिम बंगाल में तस्करी की कोशिश के दौरान 300 से ज़्यादा मवेशी बरामद किए और 11 लोगों को गिरज़्तार किया। यह ताज़ा कार्रवाई एक बड़े ऑपरेशन का हिस्सा है जो शुरू में ज़्योंझर में शुरू हुआ था और अब पाँच से ज़्यादा ज़िलों में फैल गया है।

तस्कर पैदल मवेशी ले जाते हुए पकड़े गए पुलिस के अनुसार, 11 आरोपियों को बारीपदा इलाके में नेशनल हाईवे 49 पर पैदल मवेशियों की तस्करी करते हुए पकड़ा गया। जानवरों को पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा था, तभी बंगिरीपोसी में स्थानीय लोगों ने इस ग्रुप को रोका और पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि ये संदिग्ध भद्रक, जाजपुर और ज़्योंझर ज़िलों के रहने वाले हैं, उन्हें हिरासत में ले लिया गया है और सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा

पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरज़्तार किए गए लोग रोज़ाना मवेशियों की ढुलाई में सीधे तौर पर शामिल थे। उनकी गिरज़्तारी तब हुई जब तस्करी नेटवर्क के पीछे के मास्टरमाइंड माने जाने वाले लोगों से जुड़े ठिकानों पर एक साथ छापे मारे गए। बारीपदा और रायरंगपुर में छापे चल रहे ऑपरेशन के तहत, पुलिस ने बारीपदा में सुरजीत मोहंती के घर पर छापा मारा, जिसकी पहचान इस रैकेट में एक मुज़्य साज़िशकर्ता के रूप में हुई है।

छापे के दौरान, लगभग 33 लाख रुपये नकद, साथ ही सोने और चांदी के गहने ज़्ज़्त किए गए।

रायरंगपुर के टेंटोपोसी में एक अलग ऑपरेशन में, पुलिस ने लगभग सात घरों पर छापे मारे, जो कथित तौर पर मवेशी तस्करी की गतिविधियों से जुड़े थे। चार पिकअप ट्रक और नौ मोटरसाइकिलें ज़्ज़्त की गईं, जबकि छह लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। आर्थिक अपराध का एंगल जांच के दायरे में बारीपदा सदर सब-डिविज़नल पुलिस अधिकारी (स्ठक्ह) ने कहा कि आने वाले दिनों में छापे और ज़्ज़्ती की कार्रवाई और तेज़ की जाएगी। उन्होंने कहा कि रैकेट से जुड़े पाए जाने वाले लोगों पर आर्थिक अपराध की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। जांचकर्ता आरोपियों की आय के स्रोतों और संपज़ि के जमावड़े की जांच कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि उन्होंने इतनी बड़ी संपज़ि कैसे हासिल की।

मास्टरमाइंड की पहचान हुई, और गिरज़्तारियों की उज़्मीद पुलिस ने बताया कि तस्कर अपनी अवैध गतिविधियों को छिपाने के लिए लोहे की छड़ों, सीमेंट और अन्य निर्माण सामग्री के व्यापार का बहाना बना रहे थे। जबकि गिरज़्तार किए गए 11 लोग मुज़्य रूप से मवेशियों की ढुलाई में शामिल थे, जांचकर्ताओं ने नेटवर्क के पीछे के मास्टरमाइंड का पता लगा लिया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, और गिरज़्तारियां होने की संभावना है।

सुंदरगढ़ में हाथी ने घरों को नुकसान पहुंचाया, इंसान-हाथी संघर्ष बढ़ा

सुंदरगढ २२/०१ (संवाददाता): सुंदरगढ़ ज़िले के बोनाई इलाके के कई गाँवों में एक जंगली हाथी के आतंक से दहशत फैल गई है, जो घरों, फसलों और संपज़ि को नुकसान पहुँचा रहा है। यह हाथी बोनाई, तमारा, बांकी रेंजर, बाराघाटा, बंधाभुइन और आस-पास के गाँवों में घूम रहा है, जिससे लोग लगातार डर के साए में जी रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, हाथी दिन में पास के जंगल में रहता है, लेकिन शाम होते ही इंसानी बस्तियों में घुस आता है। हाथी ने घरों की दीवारों को नुकसान पहुँचाया है, खड़ी फसलों को बर्बाद कर दिया है, और घरों से चावल और धान की बोरियाँ भी उठा ले गया है। बार-बार घुसपैठ के कारण कई परिवारों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर शरण लेनी पड़ी है।गाँव वालों ने बताया कि वे मशाल, पटाखे और तेज़ आवाज़ करके हाथी को भगाने की कोशिश में रात भर जाग रहे हैं। इन कोशिशों के बावजूद, हाथी वापस आ जाता है, जिससे बच्चों, बुज़ुर्गों और किसानों में चिंता बढ़ गई है, जिन्हें पहले ही काफी नुकसान हो चुका है। निवासियों ने वन विभाग से हाथी को पकड़ने या उसे दूसरी जगह ले जाने के लिए तुरंत कदम उठाने का आग्रह किया है ताकि और नुकसान न हो। उन्होंने फसलों और संपज़ि के नुकसान के लिए उचित मुआवज़े की भी मांग की है।वन अधिकारियों ने कहा कि वे हाथी की गतिविधियों पर करीब से नज़र रख रहे हैं और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावित इलाकों में टीमें तैनात की हैं। हालांकि, गाँव वालों को डर है कि अगर तुरंत और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और खराब हो सकती है। जंगली हाथियों का इंसानी बस्तियों में बार-बार घुसना इस क्षेत्र में बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष के मुद्दे को एक बार फिर से सामने ले आया है।

चिल्का झील-प्रवासी पक्षियों की संख्या 11 लाख से पार, इकोसिस्टम स्वस्थ

चिल्का २२/०१ (संवाददाता): चिल्का झील में इस साल 11 लाख से ज़्यादा पक्षियों के आने का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है, जो इसकी सालाना प्रवासी पक्षियों की आबादी में एक बड़ी बढ़ोतरी है। ताज़ा जनगणना के अनुसार, झील में 196 प्रजातियों के कुल 11,32,200 पक्षी गिने गए, जो पिछले साल की तुलना में 4,982 पक्षियों की बढ़ोतरी दिखाता है। कुल गिनती में से, प्रवासी पक्षियों की संज़्या 106 प्रजातियों के 11,10,257 थी, जबकि स्थानीय पक्षियों की संज़्या 21,943 थी। आने वाली प्रजातियों में, ज़्लेमिंगो ने खास ध्यान खींचा, सर्वे के दौरान 1,800 ज़्लेमिंगो देखे गए। नालाबन एक मुज़्य आवास के रूप में उभरा नालाबन, जो चिल्का के सबसे महत्वपूर्ण पक्षी आवासों में से एक है, में 106 प्रजातियों के 3,97,587 पक्षी देखे गए। अधिकारियों ने कहा कि इस इलाके में पक्षियों की ज़्यादा संज़्या ने एक बार फिर झील के इकोसिस्टम के भीतर नालाबन के एक महत्वपूर्ण सर्दियों के ठिकाने और खाने की जगह के रूप में महत्व को रेखांकित किया है। बड़े पैमाने पर गिनती का अभियान चलाया गया पक्षी जनगणना सुबह जल्दी शुरू हुई और इसमें चिल्का, बालूगांव, टांगी, सतपाड़ा और रंभा सहित मुज़्य जगहों को शामिल किया गया। व्यवस्थित निगरानी के लिए, झील को 22 ज़ोन में बांटा गया था। गिनती का काम करने के लिए वन अधिकारियों, वन्यजीव विशेषज्ञों और वॉलंटियर्स सहित लगभग 130 लोगों को तैनात किया गया था, ताकि सटीकता और पूरी कवरेज सुनिश्चित हो सके। विशेषज्ञों ने कहा कि पक्षियों की संज़्या में बढ़ोतरी चिल्का झील के बेहतर हो रहे इकोलॉजिकल स्वास्थ्य को दर्शाती है और प्रवासी और स्थानीय दोनों प्रजातियों के लिए एक महत्वपूर्ण आवास के रूप में इसके महत्व को मज़बूत करती है। जनगणना के दौरान इकट्ठा किया गया डेटा अधिकारियों को प्रजातियों के रुझानों को ट्रैक करने, संरक्षण रणनीतियों की योजना बनाने और वेटलैंड की जैव विविधता की रक्षा करने में मदद करेगा। ताज़ा आंकड़े एक बार फिर चिल्का झील की स्थिति को भारत के प्रमुख पक्षी अभयारण्यों में से एक और दुनिया भर से आने वाले प्रवासी पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण सर्दियों के ठिकाने के रूप में पुष्टि करते हैं।

आरएसपी के कर्मचारियों को 'सेल शाबाश पुरस्कार' योजना के तहत किया गया समानित

राउरकेला २२/०१ (संवाददाता): राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) के मुज़्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) के कार्यालय में एक पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। इसमें सिविल इंजीनियरिंग (सेवाएं), मैटेरियल्स रिकवरी डिपार्टमेंट (एमआरडी), कज़्युनिकेशन एंड इंफॉर्मेशन टेज़्नोलॉजी (सी एंड आईटी) और आर एंड सी लेबोरेटरी (आरसीएल) के कर्मचारियों को उनके इनोवेटिव प्रयासों और बेहतरीन योगदान के लिए 'सेल शाबाश' पुरस्कार दिए गए। मुज़्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं), श्री आतिश चंद्र सरकार ने समारोह की अध्यक्षता की और पुरस्कार पाने वालों को पुरस्कार दिए।

पुरस्कार पाने वालों को बधाई देते हुए श्री सरकार ने विभागीय दक्षता बढ़ाने में उनके प्रतिबद्धता, नवाचार और महत्वपूर्ण योगदान की तारीफ की। उन्होंने दूसरे कर्मचारियों को भी अवॉर्ड पाने वालों से प्रेरणा लेने और अपने-अपने काम के क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

ऊपर बताए गए हर विभाग से दो कर्मचारियों को इस योजना के तहत पुरस्कार दिया गया। उप प्रबंधक सीई (एस), श्री निहार रंजन जेना और जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट, आरसीएल श्री धीरेंद्र कुमार सिंह को योजना की कैटेगरी-२ के तहत पुरस्कार मिला। कैटेगरी-१ के तहत, यह पुरस्कार महाप्रबंधक (एमआरडी), श्री अरुणंग्शु शोम, सहायक प्रबंधक (एमआरडी), श्री रणजीत जेना, इंजीनियरिंग एसोसिएट, सीई (एस),श्री पांडा भुयान, इंजीनियरिंग एसोसिएट (सी एंड आईटी), श्री रबिंद्र पसायत, इंजीनियरिंग एसोसिएट (सी एंड आईटी), श्री बिरोज कुमार कबी, और इंजीनियरिंग एसोसिएट (आरसीएल),श्री रतन कुमार मोहंती को दिया गया।

इस मौके पर महाप्रबंधक (एमआरडी), श्री एस. के. भुयान, श्री पवन गुप्ता, महाप्रबंधक प्रभारी सीई (एस), महाप्रबंधक प्रभारी (सी एंड आईटी), सुश्री सुमिता भट्टाचार्य, महाप्रबंधक प्रभारी (आरसीएल), श्री रमा शंकर शर्मा, महाप्रबंधक (सी एंड आईटी), श्री धीरेंद्र मोहपात्रा और उप महाप्रबंधक सीई (एस), श्री उज्जलेश्वर बेहरा मौजूद थे।

इस कार्यक्रम का समन्वय महाप्रबंधक (तकनीकी),श्री पी. प्रसाद ने किया।